हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

शनिवार | 24 अक्टूबर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

वर्षः 22 | अंकः 195 | पृष्ठः 58

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 प्रिंसिपलः विद्यालय की आत्मा को आकार.....

8 एसपी ने मऊदरवाजा थाने.....

तापमान मीटर

लखनऊ	19°	32°
नई दिल्ली	20°	31°
मुंबई	27°	37°
कोलकाता	25°	33°
चेन्नई	26°	31°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 72568.37
निफ्टी 22411.10

सर्राफा बाजार

सोना	1,45,145.00	रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी	2,30,000.00	रुपए प्रति किलो

एक नजर

अरुणाचल सीमा पर ओवैसी ने केंद्र से मांगा जवाब

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारत-चीन सीमा की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार से सवाल पूछे हैं। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों की गतिविधियों पर जानकारी देने, संसद में चर्चा कराने और विस्तृत रिपोर्ट जारी करने की मांग की है।

15 वर्षीय किशोरी से यौन उत्पीड़न, 3 नाबालिगों समेत 7 आरोपी हिरासत में

तेलंगाना। सिद्दिपेट जिले में दशहरा के दिन 15 वर्षीय किशोरी के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, सात आरोपी लड़की को दूसरे गांव ले गए थे। शिकायत के बाद पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तीन नाबालिगों समेत सभी सात आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन की ऐतिहासिक पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी की। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 197 रन पर समेट दिया, जिसके बाद टीम इंडिया ने 27.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

महिला क्रिकेटर मेघना ने 30 साल की उम्र में लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेटर सब्बिनेनी मेघना ने 30 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है।

यूपी पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज

● 5 लाख अमिट स्याही की खरीद के लिए निविदा जारी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों ने गति पकड़ ली है। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव में इस्तेमाल होने वाली लगभग 5 लाख अमिट स्याही की खरीद के लिए निविदा जारी कर दी है। आयोग की ई-निविदा संबंधी जानकारी के अनुसार, यह स्याही सिल्वर नाइट्रेट से निर्मित होगी और भारतीय मानक आठएस 13209:2024 के अनुरूप 10 मिलीलीटर की शीशी में ब्रश सहित उपलब्ध कराई जानी है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पंचायत चुनाव तीन महीने के भीतर कराने संबंधी निर्देश के बाद चुनावी तैयारियों को लेकर गतिविधियां तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। अब निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं, मतदाता सूची, आरक्षण प्रक्रिया और चुनाव सामग्री की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित है।

राज्य निर्वाचन आयोग की निविदा सूचना के मुताबिक, प्रक्रिया 22 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की गई। निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 शाम 6 बजे निर्धारित है। निविदाएं 2 नवंबर 2026 को दोपहर 2 बजे खोली जाएंगी।

निविदा में लगभग 5 लाख शीशियों की आपूर्ति का उल्लेख है। चयनित आपूर्तिकर्ता को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्याही और लगाने वाला ब्रश उपलब्ध कराना होगा। निविदा दस्तावेज में आपूर्ति की अवधि 35 दिन बताई गई है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 14 अक्टूबर को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से चुनाव कराने का पूरा कार्यक्रम तैयार कर प्रस्तुत करने की अपेक्षा भी जताई।

पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के पदों के लिए मतदान कराया जाता है। अमिट स्याही मतदाताओं की उंगली पर लगाई जाती है, जिससे दोबारा मतदान करने की संभावना को रोकने में मदद मिलती है। इसलिए इसकी समय पर खरीद और उपलब्धता चुनाव प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पंचायत निर्वाचक नामावलियों के व्यापक पुनरीक्षण से संबंधित निर्देश उपलब्ध हैं।

फ्रांस में हिंसा की आशंका, 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

यूथ इंडिया, पेरिस

फ्रांस में विरोध प्रदर्शनों के बीच हिंसा रोकने के लिए सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। देशभर में करीब 70,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों को आशंका है कि प्रदर्शन के दौरान फिर से आगजनी, तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हो सकती हैं।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर चर्चा की। हालांकि, बैठक के बाद भी छात्र संगठनों की ओर से आंदोलन जारी रखने के संकेत दिए गए हैं। सरकार के सामने प्रदर्शनकारियों की मांगों पर बातचीत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दोहरी चुनौती है।

प्रदर्शनों के मद्देनजर कई शहरों में सुरक्षा बढ़ाई गई है। पुलिस और जेंडरमेरी के अतिरिक्त बलों के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी की जा रही है। प्रशासन ने हिंसा, आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

आठवें वेतन आयोग की मुंबई बैठक समाप्त, मूल वेतन में महंगाई भत्ता जोड़ने पर फैसला नहीं

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की मुंबई में आयोजित बैठकों के बाद केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की निगाहें वेतन वृद्धि से जुड़े फैसलों पर टिकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वर्तमान महंगाई भत्ते को मूल वेतन में शामिल किया जाएगा और नई वेतन संरचना में कर्मचारियों की तनख्वाह कितनी बढ़ेगी।

आयोग की मुंबई यात्रा के दौरान 22 और 23 अक्टूबर को संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया गया। हालांकि, बैठक समाप्त होने के बाद भी महंगाई भत्ते को मूल वेतन में विलय करने के किसी अंतिम निर्णय की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इसे लेकर चल रही चर्चाओं को फिलहाल संभावित मांग और प्रस्ताव के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर, यदि किसी केंद्रीय कर्मचारी का मूल वेतन 18,000 है और महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत माना जाए, तो महंगाई भत्ते की राशि 10,800 होगी। इस तरह मूल वेतन और महंगाई भत्ता मिलाकर कुल 28,800 बनते हैं। यह केवल गणना का उदाहरण है, आठवें वेतन आयोग की घोषित वेतन दर नहीं।

आठवें वेतन आयोग से न्यूनतम वेतन, वेतन निर्धारण गुणांक, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और पेंशन से जुड़े विषयों पर सिफारिशों की उम्मीद है। आयोग को अपनी सिफारिशें देने के लिए गठन की तारीख से 18 महीने का समय दिया गया है।

फिलहाल न तो नई न्यूनतम तनख्वाह की अंतिम राशि घोषित हुई है और न ही महंगाई भत्ते के मूल वेतन में विलय पर अंतिम निर्णय सामने आया है। आयोग की सिफारिशों के बाद केंद्र सरकार की मंजूरी से ही नई वेतन व्यवस्था और कर्मचारियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ की स्थिति स्पष्ट होगी।

तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना सबसे बड़ी आवश्यकता: सीएम योगी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान व प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ावा देना जरूरी है।

सीएम ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में आयोजित 'टेकसंगम 2026' में प्रतिभाग करूंगा। एआई, साइबर फॉरेंसिक, क्वांटम तकनीक और डेटा प्रोटेक्शन जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित यह आयोजन तकनीकी नवाचार को नागरिक सुरक्षा, प्रभावी न्याय व्यवस्था व डिजिटल ट्रस्ट से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश की बदलती कार्य-संस्कृति का प्रतीक बताया। कहा कि वर्ष 2017 से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में केवल 2 साइबर थाने और 4 फॉरेंसिक लैब थीं। विज्ञान और तकनीक की संभावनाओं का पर्याप्त उपयोग न होने और वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव में अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर मिलता था। कन्विक्शन रेट 30 प्रतिशत से भी कम था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में कार्य किया। आज सभी 75 जनपदों में साइबर थाने हैं और प्रत्येक मंडल में फॉरेंसिक लैब स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। तकनीकी संसाधनों एवं वैज्ञानिक जांच की क्षमता के विस्तार से साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों से निपटने और अपराधियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया को मजबूती मिली है। कन्विक्शन रेट में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीक आज प्रभावी न्याय सुनिश्चित करने के साथ युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने का माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि देश-विदेश के वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं, विधि विशेषज्ञों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने वाला यह आयोजन साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता एवं उभरती तकनीकों के उत्तरदायी उपयोग पर सार्थक विमर्श के साथ अनुसंधान, शिक्षा व उद्योग के बीच सहयोग के नए द्वार खोलेगा।

राजस्थान-हरियाणा में बारिश और ओलावृष्टि से बदला मौसम

यूथ इंडिया, नई दिल्ली

राजस्थान और हरियाणा में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। कई इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में बदलाव देखने को मिल रहा है। हरियाणा के झज्जर में शनिवार सुबह बारिश के साथ ओले गिरे, जिससे स्थानीय लोगों को बदले मौसम का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने हरियाणा के नौ जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। इनमें सिरसा, फतेहाबाद, पानीपत और सोनीपत समेत कई जिले शामिल हैं। लोगों को मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने और खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अचानक तेज हवाएं चलने और बारिश होने से सामान्य जनजीवन, यातायात तथा खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

राजस्थान में भी शुक्रवार को कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। दौसा, सीकर, भरतपुर, जयपुर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ समेत विभिन्न इलाकों में मौसम बदला रहा। वहीं, अलवर और कोटपूतली-बहरोड़ के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की जानकारी सामने आई। बारिश और ओलों के कारण किसानों की फसलों पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर भी चिंता बढ़ सकती है, हालांकि नुकसान का आकलन स्थानीय परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

दूसरी ओर, तमिलनाडु के ऊटी और नीलगिरी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऊटी के थिड्डुक्कल गांव में एक रिजॉर्ट की लगभग 20 फीट ऊंची दीवार गिर गई, जिसके मलबे में दबने से एक सुरक्षा गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

ऊटी में लगातार बारिश से जलभराव और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने यातायात व्यवस्था को भी प्रभावित किया है। ऊटी बस स्टैंड के पास पानी भर जाने के कारण सड़क बंद करनी पड़ी, जबकि नीलगिरी इलाके में एक सरकारी बस पर भूस्खलन का मलबा गिरने की सूचना मिली।

जामिया यूनिवर्सिटी की दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' और 'फ्री शरजील' के नारे मिलने से विवाद

यूथ इंडिया, नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' और 'फ्री शरजील इमाम' जैसे नारे लिखे मिलने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय परिसर में लिखे इन नारों को लेकर अलग-अलग संगठनों ने आपत्ति जताई है। इस मामले ने एक बार फिर विश्वविद्यालय परिसरों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, छात्र राजनीति और संवेदनशील राजनीतिक मुद्दों पर बहस को तेज कर दिया है। हालांकि, नारों को किसने लिखा और इसके पीछे क्या उद्देश्य था, इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना जरूरी है। फिलहाल, इस घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

इस मामले पर विश्व हिंदू परिषद ने कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन का कहना है कि वह जामिया मिल्लिया इस्लामिया को भारत-विरोधी गतिविधियों का केंद्र नहीं बनने देगा। ड्डाक्क की प्रतिक्रिया के बाद विश्वविद्यालय परिसर में लिखे नारों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर, ऐसे मामलों में किसी संगठन या व्यक्ति के बारे में निष्कर्ष निकालने से पहले घटना की पूरी परिस्थितियों और संबंधित साक्ष्यों की जांच करना महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा 3 नवंबर को

● 31 अक्टूबर से डाउनलोड होंगे प्रवेश पत्र

यूथ इंडिया, प्रयागराज



विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (विशेष टीईटी) को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। परीक्षा 3 नवंबर को प्रदेश के 6 मंडल मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। आयोग की ओर से परीक्षा के लिए निर्धारित शहरों का विवरण जारी कर दिया गया है।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी 31 अक्टूबर से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे प्रवेश पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र, पाली और समय की जानकारी ध्यानपूर्वक जांच लें, ताकि परीक्षा के दिन किसी तरह की परेशानी न हो।

विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रदेश के 6 मंडल मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। परीक्षा शहरों का विवरण जारी होने के बाद अभ्यर्थियों को अपने निर्धारित परीक्षा शहर की जानकारी प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी।

अभ्यर्थी प्रवेश पत्र जारी होने के बाद उसे डाउनलोड कर उसका प्रिंट सुरक्षित रखें। परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें और प्रवेश पत्र के साथ आवश्यक पहचान पत्र भी लेकर जाएं। परीक्षा संबंधी किसी भी बदलाव या अतिरिक्त निर्देश के लिए आयोग की आधिकारिक सूचना को ही मान्य माना जाए।

यूथ इंडिया ▸▸ एक्स्क्लूसिव

वाराणसी से सामने आये एचआईवी के चिंताजनक आंकड़े

10 महीने में 900 लोग एचआईवी संक्रमित मिले, आधे से अधिक किशोर और युवा

यूथ इंडिया, वाराणसी

कम उम्र में संक्रमण के मामले चिंता का विषय, समय पर जांच और जागरूकता पर जोर



काशी में एचआईवी संक्रमण से जुड़े सामने आए आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। उपलब्ध समाचार रिपोर्ट के अनुसार, बीते 10 महीनों में करीब 900 लोगों की जांच में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें आधे से अधिक किशोर और युवा बताए गए हैं। संक्रमण के बढ़ते मामलों ने युवाओं में जागरूकता, समय पर जांच और सुरक्षित व्यवहार की आवश्यकता को फिर से रेखांकित किया है।

रिपोर्ट में 15 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोगों का उल्लेख किया गया है। यह आयु वर्ग शिक्षा, रोजगार और पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। कम उम्र में संक्रमण की पहचान होने से यह आवश्यकता और बढ़ जाती है कि लोगों को एचआईवी के फैलने के तरीकों, बचाव और उपचार के बारे में सही जानकारी मिले।

एचआईवी संक्रमण की पुष्टि केवल चिकित्सकीय जांच से होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम की आशंका होने पर समय रहते जांच कराना और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी से परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। शुरुआती पहचान होने पर संक्रमित व्यक्ति को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है।

एंटीरेट्रोवायरल उपचार से एचआईवी के प्रभाव को नियंत्रित रखने और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है। उपचार ले रहे लोगों के लिए नियमित दवा और चिकित्सकीय निगरानी जरूरी है। एचआईवी को लेकर समाज में फैली गलत धारणाएं भी बड़ी चुनौती हैं। यह संक्रमण हाथ मिलाने, साथ बैठने, सामान्य मेलजोल या एक साथ भोजन करने से नहीं फैलता। संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव करने के बजाय उसे उचित चिकित्सा और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में जानकारी देने तथा जांच एवं परामर्श सुविधाओं तक आसान पहुंच बनाने से संक्रमण की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

यूथ इंडिया ▸▸ राजनीति पड़ताल

2027 विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे पर बातचीत तेज

कांग्रेस ने अखिलेश यादव से मांगीं 200 सीटें

पिछले दो विधानसभा चुनावों में दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाई पार्टी

लोकसभा चुनाव 2024 की सफलता के बाद कांग्रेस की बढ़ी दावेदारी, सपा कर रही जीतने की क्षमता का आकलन

यूथ इंडिया, लखनऊ

शरद कटियार

कम उम्र में संक्रमण के मामले चिंता का विषय, समय पर जांच और जागरूकता पर जोर



उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस ने करीब 200 विधानसभा सीटों की सूची तैयार कर समाजवादी पार्टी के सामने अपनी दावेदारी रखी है। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच अभी अंतिम समझौते की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

कांग्रेस की इस दावेदारी के बीच उत्तर प्रदेश में उसके पिछले विधानसभा चुनावों का प्रदर्शन भी चर्चा में है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 7 सीटें मिली थीं, जबकि 2022 के चुनाव में पार्टी केवल 2 सीटें जीत सकी। वर्ष 2022 में कांग्रेस का मत प्रतिशत लगभग 2.33 प्रतिशत रहा था। इन आंकड़ों के आधार पर कांग्रेस की विधानसभा चुनावों में संगठनात्मक ताकत और सीटों की दावेदारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि, कांग्रेस की रणनीति को केवल विधानसभा चुनावों के पुराने परिणामों से आंकना भी पूरी तस्वीर नहीं होगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने 6 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन के बाद कांग्रेस गठबंधन में अपनी भूमिका और हिस्सेदारी को लेकर मजबूत दावेदारी पेश कर सकती है।

विधानसभा की कुल 403 सीटों में 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का अर्थ लगभग आधी सीटों पर हिस्सेदारी होगा। ऐसे में समाजवादी पार्टी के सामने सहयोगी दल को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने और अपने चुनावी समीकरणों को संतुलित रखने की चुनौती होगी। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सीटों के बंटवारे में संबंधित क्षेत्र में संगठन की स्थिति, प्रत्याशी की जीतने की संभावना और पिछले चुनावों के प्रदर्शन जैसे पहलू महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

माहिम से जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंधों के आरोप में 33 वर्षीय युवक गिरफ्तार

यूथ इंडिया, मुंबई

आतंकवाद विरोधी दस्ते ने माहिम इलाके से 33 वर्षीय मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी बिहार का रहने वाला है और पिछले करीब 10 वर्षों से मुंबई में रह रहा था। वह माहिम इलाके में परफ्यूम बेचने के साथ-साथ रैपिडो ड्राइवर के रूप में भी काम करता था।ञ्ज्ञस् को संदेह है कि आरोपी के संबंध आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से हो सकते हैं। इस मामले में जांच एजेंसी विभिन्न डिजिटल साक्ष्यों और आरोपी की ऑनलाइन गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। हालांकि, आरोपी पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत होनी बाकी है।

मुंबई एटीएस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर से संबंधित ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इन सामग्रियों को आरोपी ने किस उद्देश्य से अपने पास रखा था और क्या वह इन्हें अन्य लोगों के साथ साझा करता था। इसके अलावा, उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। एजेंसी यह समझने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किन लोगों के संपर्क में था और उसकी ऑनलाइन गतिविधियों का कथित संगठन से कोई सीधा संबंध था या नहीं।

जांच एजेंसी आरोपी के संभावित संपर्कों और विदेशी कड़ियों की भी पड़ताल कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, यह पता लगाया जा रहा है कि क्या आरोपी का किसी पाकिस्तानी खुफिया एजेंट या अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क था।

हिंदुस्तान आजाद मंच के अध्यक्ष मुकेश पाल को सपाइयों ने पीटा

- अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव का पुतला फूंकने आए थे मुकेश पाल
- पुलिस के सामने हुई हाथापाई

यूथ इंडिया, कन्नौज



सदर कोतवाली क्षेत्र के मकरंद नगर तिराहे पर शनिवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब हिंदुस्तान आजाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पाल देशबन्धु अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव का पुतला फूंकने पहुंचे।

इस दौरान मौके पर पहले से मौजूद समाजवादी पार्टी के नेताओं और मुकेश पाल के बीच कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई।

जानकारी के अनुसार, मुकेश पाल ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव का पुतला फूंकने की जानकारी दी थी। इसके बाद मकरंद नगर तिराहे पर सपा नेता भानू गुप्ता, राजू यादव, शशिमा सिंह दोहरे, संजय गिहार समेत दर्जनों सपा नेता पहले से मौजूद थे। मुकेश पाल के पहुंचते ही दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पाल ने इस बीच अखिलेश यादव मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

घटना के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। घटना के चलते तिराहे पर कुछ देर तक गहमागहमी बनी रही।

सदर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अभी दोनों पक्षों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञात हो पिछले कुछ महीनों से हिन्दुस्तान आजाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पाल देशबन्धु लगातार सोशल मीडिया पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को निशाना बनाए हुए हैं जिसको लेकर कन्नौज में सपा नेताओं में काफी आक्रोश था।

आज जैसे ही सपाइयों को पाल समाज के नेता मुकेश पाल के आने की जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचे सपा नेताओं ने उनके साथ मारपीट की।

घटना का वीडियो वायरल होते ही भारतीय जनता पार्टी ने पाल समाज के नेता की पिटाई पर दुख जताते हुए सपा पर निशाना साधा। बीजेपी आईटी सेल के जिलाध्यक्ष अभिषेक पांडे ने सोशल मीडिया पर सपा के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली।

500 रुपये लेते वीडियो वायरल, दो यातायात पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ। इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर वाहन जांच के दौरान कथित वसूली का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दो यातायात पुलिसकर्मी कथित तौर पर 500 रुपये लेते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि वाहन छोड़ने के बदले रुपये मांगे गए थे। वीडियो सामने आने के बाद यातायात विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभागीय स्तर पर कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है। वाहन जांच के दौरान रुपये लेने के आरोप से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। मामले में वायरल वीडियो को कार्रवाई का आधार बनाए जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल दोनों पुलिसकर्मियों के निलंबन की कार्रवाई की गई है। मामले में आगे की जांच और विभागीय कार्यवाही के संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार है।

4 कुंतल का गेट गिरने से सिक्योरिटी गार्ड की मौत

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब 1:30 बजे नाइट ड्यूटी के दौरान गेट बंद करते समय भारी गेट गिरने से सिक्योरिटी गार्ड की दबकर मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि गेट पिछले 10 दिनों से खराब था और शिकायत के बावजूद उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में फर्जी डिग्री और मार्कशीट बनाने वाले गिरोह का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

यूथ इंडिया, बरेली



जिले में फर्जी डिग्री और अंकपत्र तैयार करने के कथित रैकेट का पुलिस ने खुलासा किया है। बारादरी थाना क्षेत्र के रेलवे ग्राउंड से पुलिस ने प्रदीप नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से अलग-अलग विश्वविद्यालयों की 21 मार्कशीट, 6 प्रमाण पत्र और 11 मोहरें बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से 2 मोबाइल फोन समेत अन्य सामान भी मिला है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, वह 50 हजार रुपये लेकर स्नातक की फर्जी मार्कशीट तैयार करता था। पुलिस बरामद दस्तावेजों की जांच कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इनका इस्तेमाल कहां और किन उद्देश्यों के लिए किया जाना था।

अलग-अलग विश्वविद्यालयों के दस्तावेज मिलने के बाद पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि आरोपी अकेले इस काम को अंजाम दे रहा था या इसके पीछे अन्य लोग भी शामिल हैं। बरामद मोहरों और प्रमाण पत्रों की सत्यता की जांच की जा रही है।

पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। जांच के बाद ही फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उनकी आपूर्ति से जुड़े पूरे नेटवर्क की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दीपोत्सव में रंगों और रील के जरिए दुनिया देखेगी नव्य अयोध्या

लखनऊ। योगी सरकार दीपोत्सव-2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक वैभव और बदलते स्वरूप को रंगों व रचनात्मकता के जरिए दुनिया के सामने लाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी और रचनात्मक प्रतिभाएं रामनगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यों और दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर निर्धारित की गई है। विजेताओं को दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या भारत की आस्था, संस्कृति और गौरवशाली विरासत के प्रतीक रूप में स्थापित हुआ है।

वाराणसी में कल प्रधानमंत्री मोदी का दौरा

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे वाराणसी पहुंच सकते हैं। इस दौरान वह मिर्जामुराद क्षेत्र के खोचवा में अरविंद टेक्सटाइल इकाई का उद्घाटन करेंगे। दौरे को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से खोचवा स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी अगवानी करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री अरविंद टेक्सटाइल इकाई के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान उनके बच्चों और महिलाओं से संवाद करने की भी संभावना जताई गई है। खोचवा में कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से वाराणसी पुलिस लाइन पहुंचेंगे। यहां से वह नमो घाट के लिए रवाना होंगे। मार्ग में 13 स्थानों पर प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्वागत कार्यक्रम को देखते हुए संबंधित मार्गों पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो घाट पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान वायुसेना के एयर शो में भी शामिल होंगे। प्रस्तावित दौरे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री और अन्य मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और कार्यक्रम स्थलों की तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, कार्यक्रम के समय और गतिविधियों में बदलाव होने की स्थिति में अंतिम जानकारी आधिकारिक कार्यक्रम से ही स्पष्ट होगी।

सीएम योगी ने पोलियो मुक्त भारत पर जताया गर्व

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोलियो मुक्त भारत को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर संदेश साझा किया। उन्होंने भारत की पोलियो के खिलाफ हासिल की गई उपलब्धि पर गर्व जताते हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने और बीमारी के प्रति जागरूकता बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत ने पोलियो पर जीत हासिल की है और हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद पिलाना जरूरी है। उन्होंने पोलियो मुक्त भारत पर गर्व व्यक्त करते हुए इस अभियान में जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। सीएम योगी ने पोलियो उन्मूलन के प्रयासों में योगदान देने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया।

बागेश्वरी अपार्टमेंट की बुकिंग 26 अक्टूबर से, 35 लाख रुपये में मिलेगा दो बेडरूम का फ्लैट

यूथ इंडिया, बरेली

लखनऊ विकास प्राधिकरण की शारदानगर विस्तार योजना के अंतर्गत बागेश्वरी अपार्टमेंट में 26 अक्टूबर से पंजीकरण शुरू होने जा रहा है। योजना में दो बेडरूम वाले 936 फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक फ्लैट का क्षेत्रफल 55.25 वर्गमीटर और कीमत 35 लाख रुपये बताई गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 312 मकान भी उपलब्ध होंगे। इन मकानों का क्षेत्रफल 40.25 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। प्रत्येक मकान की कीमत 8.99 लाख रुपये रखी गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को ढाई लाख रुपये की सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान है। इसके बाद लाभार्थी को मकान के लिए लगभग 6.50 लाख रुपये देने होंगे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण की इस योजना में इच्छुक आवेदक पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने से पहले पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, पंजीकरण शुल्क और भुगतान की शर्तों की जानकारी आधिकारिक सूचना से प्राप्त करना जरूरी होगा।

इस योजना के तहत सामान्य आवासीय फ्लैट और प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों के लिए अलग-अलग पात्रता एवं आवंटन नियम लागू हो सकते हैं। इसलिए आवेदकों को संबंधित श्रेणी की शर्तें ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज-फर्रुखाबाद वृत्त, लो0नि0वि0, कन्नौज
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांकः 4767M/39M-K.F.V./2026/P.D.F. दिनांकः 13.10.2026

1. महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0/ लॉट सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जीएसटी सहित (रु0)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1.	पसई नगला से उस्मानगंज संपर्क मार्ग तक नवर्निाण का कार्य। (05 वर्ष अनुरक्षण सहित)	क्र0 सं0/लॉट सं0	190.00	11.50	08 माह	2714.00	ए, बी (मार्ग श्रेणी)

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 26.10.2026 से 03.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध है जो दिनांक 03.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 03.11.2026 को दोपहर 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाए प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के पोर्टल चाणक्य के प्रहरी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा।

टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा। निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम व शर्तें http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं0 : 259151
दिनांकः 22.10.2026

(मुरली धर)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
फतेहगढ़

(सनत गुप्तरिशी)
अधीक्षण अभियन्ता
कन्नौज–फर्रुखाबाद वृत्त
लो0नि0वि0, कन्नौज

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो महिलाएं गिरफ्तार, 100 ग्राम आइस ड्रग्स बरामद

यूथ इंडिया, लखनऊ

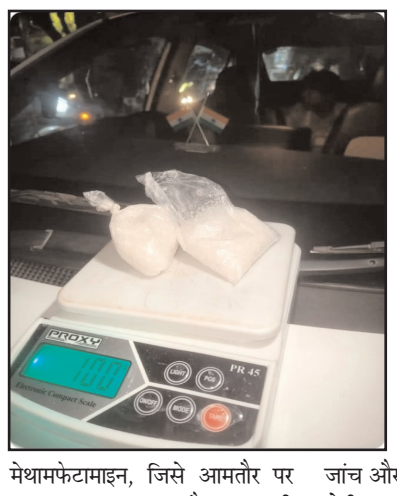

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने लखनऊ में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों के तार नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ मानव तस्करी से भी जुड़े हैं।

जानकारी के अनुसार, उप नारकोटिक्स आयुक्त, लखनऊ के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सुषमा अस्पताल के पास जाल बिछाकर दोनों महिलाओं को पकड़ा गया। तलाशी में उनके कब्जे से 100 ग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन, जिसे आमतौर पर आइस ड्रग्स कहा जाता है, बरामद की गई।

मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच एजेंसियां अब नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क और इसकी वितरण श्रृंखला का पता लगाने में जुटी हैं। मानव तस्करी से कथित संबंधों की भी जांच की जा रही है।

फिलहाल, मामले में आगे की जांच जारी है। दोनों महिलाओं के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

आगरा में भाजपा आईटी सेल मंडल संयोजक के भाई की हत्या, सड़क किनारे मिला शव, दोस्त पर आरोप

यूथ इंडिया, आगरा



राजापुर खंडेर इलाके में भोला चौहान की हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। उनका शव सड़क किनारे पड़ा मिला। भोला चौहान भाजपा नेता विकेश चौहान के भाई बताए जा रहे हैं। परिजनों ने उनके दोस्त सोनू पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भोला चौहान अपने दोस्त सोनू के साथ घूमने निकले थे। इसके बाद उनका शव सड़क किनारे मिलने की सूचना सामने आई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई।

परिजनों का आरोप है कि भोला चौहान की हत्या में उनके दोस्त सोनू की भूमिका हो सकती है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद से सोनू फरार है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटाई और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना के कारणों, मृतक के साथ मौजूद लोगों और संदिग्ध परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। शव मिलने के स्थान और घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजापुर खंडेर इलाके में हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा शिक्षक एमएलसी चुनाव: तीन बूथों पर पुनर्मतदान की संस्तुति, निर्वाचन आयोग को भेजा गया प्रस्ताव

यूथ इंडिया, आगरा



शिक्षक विधान परिषद सदस्य निर्वाचन को लेकर आगरा से बड़ी खबर सामने आई है। जिले के तीन मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने की संस्तुति की गई है। संबंधित बूथों पर दोबारा मतदान कराने का प्रस्ताव निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है। अब आयोग के निर्णय पर पुनर्मतदान की आगे की प्रक्रिया निर्भर करेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन तीन मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान का प्रस्ताव दिया गया है, उनमें बूथ संख्या 20, 21 और 26 शामिल हैं। इन केंद्रों पर दोबारा मतदान कराने के संबंध में निर्वाचन स्तर पर संस्तुति भेजी गई है। हालांकि, अभी पुनर्मतदान की अंतिम मंजूरी और मतदान की तिथि को लेकर आधिकारिक निर्णय सामने आना बाकी है।

निर्वाचन आयोग की मंजूरी मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कब कराया जाएगा। इसके साथ ही मतदान प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जा सकते हैं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में तीन बूथों पर पुनर्मतदान का प्रस्ताव सामने आने के बाद निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अगले कदम पर नजर बनी हुई है। फिलहाल आयोग के निर्णय का इंतजार है।

आगरा में अचानक धंसी सड़क, लाइव वीडियो वायरल, बैरिकेडिंग कर रोकी गई आवाजाही

यूथ इंडिया, आगरा



थाना हरिपर्वत क्षेत्र में पालीवाल पार्क के सामने सड़क अचानक धंसने से अफरा-तफरी मच गई। घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। सड़क धंसने के दौरान बड़ा हादसा होने से बच गया।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, सड़क का एक हिस्सा अचानक नीचे धंस गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। एहतियात के तौर पर संबंधित स्थान पर बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन रोक दिया गया, ताकि कोई वाहन या राहगीर धंसी हुई सड़क की चपेट में न आए।

सड़क धंसने की घटना ने क्षेत्र में सड़क निर्माण की गुणवत्ता और भूमिगत व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, सड़क धंसने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

फिलहाल प्रभावित हिस्से में आवाजाही रोककर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की जांच कराने और जल्द मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके।

प्रदेश में आज विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर, सुबह 10 से शाम 4 बजे तक मिलेंगे बीएलओ

लखनऊ। प्रदेश में छूटे हुए मतदाताओं और पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का अवसर देने के लिए 24 अक्टूबर को विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मौजूद रहेंगे। जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। पहली बार मतदाता बनने वाले युवा भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। मतदाता पंजीकरण के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन किया जा सकेगा। शिविर में जाने वाले आवेदक अपने साथ हाल की फोटो, जन्मतिथि के प्रमाण और निवास संबंधी आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचें, ताकि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने में सुविधा हो। पात्र नागरिकों से अपील है कि वे अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ से संपर्क करें और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज होने की स्थिति की जानकारी लें।

मथुरा में हेमा मालिनी ने मां गंगा के अवतरण की लीला का किया मंचन

- 90 मिनट तक नृत्य और अभिनय

यूथ इंडिया, मथुरा

अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने मां गंगा के धरती पर अवतरण की लीला का प्रभावशाली मंचन किया। 78 वर्ष की आयु में उन्होंने करीब 90 मिनट तक मंच पर नृत्य और अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम में हेमा मालिनी ने मां गंगा की भूमिका निभाई। मंचन के दौरान वह क्रेन की सहायता से गंगा के रूप में मंच पर उतरीं। इसके बाद उन्होंने मां गंगा के स्वर्ग से धरती पर अवतरण की पौराणिक कथा को नृत्य और अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया।

करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मंचन में भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और पौराणिक परंपरा की झलक देखने को मिली। मां गंगा के अवतरण की लीला को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने के लिए मंच पर विशेष व्यवस्था की गई थी।

हेमा मालिनी लंबे समय से शास्त्रीय नृत्य और पौराणिक प्रसंगों पर आधारित नृत्य-नाटिकाओं के मंचन के लिए जानी जाती हैं। इस प्रस्तुति ने एक बार फिर उनकी नृत्यकला और मंचीय अभिनय के प्रति समर्पण को सामने रखा।

बिजली विभाग के एसडीओ कृष्णा कौशिक की बढ़ीं मुश्किलें

- करोड़ों की बेनामी संपत्ति के आरोपों की जांच तेज

यूथ इंडिया, बुलंदशहर



बिजली विभाग में तैनात उपखंड अधिकारी कृष्णा कौशिक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बेनामी संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच शुरू होने की जानकारी सामने आई है। बुलंदशहर, सिकंदराबाद से लेकर नोएडा तक संपत्तियां होने का दावा किया गया है।

बताया जा रहा है कि ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देश पर मामले की जांच की जा रही है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक स्तर पर भी पड़ताल की जा रही है। सतर्कता विभाग और शिकायत प्रकोष्ठ आरोपों से जुड़े तथ्यों की जांच कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद विभागीय कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सकता है।

वर्ष 2024 में सिकंदराबाद में तैनाती के दौरान कृष्णा कौशिक का कथित तौर पर 50 हजार रुपये लेते हुए एक वीडियो प्रसारित हुआ था। इसके बाद तत्कालीन प्रबंध निदेशक ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

जानकारी के अनुसार, कृष्णा कौशिक और उनके परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा भी दर्ज है। इसमें भ्रूण हत्या सहित अन्य आरोप शामिल बताए जा रहे हैं। उनकी पत्नी की शिकायत के बाद मामले की जांच तेज होने की बात कही जा रही है।

फिलहाल कृष्णा कौशिक अमरोहा जिले के गजरौला में तैनात बताए जा रहे हैं। संपत्तियों, कथित लेनदेन और अन्य आरोपों की वास्तविकता जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। अभी आरोपों को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता।

कानपुर में मूकबधिर छात्रा का अश्लील वीडियो बनाने वाला पुनर्वास केंद्र का पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

यूथ इंडिया, कानपुर

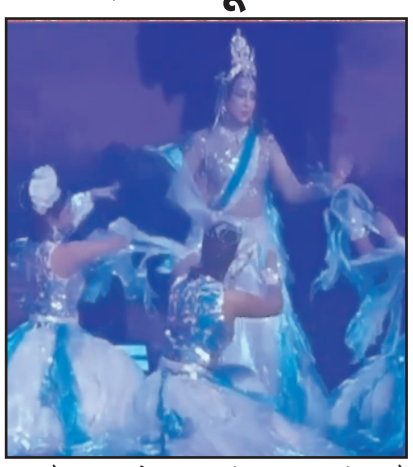

काकादेव स्थित एक विशेष पुनर्वास केंद्र में मूकबधिर छात्रा का अश्लील वीडियो बनाने और उसे उसके पिता के व्हाट्सऐप पर भेजने के आरोप में पुलिस ने केंद्र के पूर्व कर्मचारी विपिन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, विपिन पुनर्वास केंद्र में नौकरी के दौरान छात्रा का अश्लील वीडियो बनाने का आरोपी है। आरोप है कि नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने यह वीडियो छात्रा के पिता के व्हाट्सऐप नंबर पर भेज दिया। बताया गया है कि वीडियो किसी दूसरे युवक के मोबाइल नंबर से भेजा गया था।

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस वीडियो भेजने में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है।

घटना के बाद विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास केंद्रों में निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

देश की नकारात्मक छवि बनाने वाले आरोपों व अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल ना हो

भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना का दिया जवाब

जेनेवा, एजेंसी। भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोलते हुए, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताम्रकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ भारत का जुड़ाव बातचीत, परामर्श, सहयोग, गैर-चयनात्मकता और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ता है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार संवाद, परामर्श, सहयोग, निष्पक्षता और पारदर्शिता जैसे सिद्धांत होने चाहिए।

उन्होंने सदस्य देशों को आगाह किया कि वे रिपोर्ट में दी गई बातों से आगे बढ़कर कोई निष्कर्ष न निकालें। उन्होंने कहा कि हम प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट का सही संदर्भ में हवाला दें, किसी मानवीय मुद्दे से जुड़ी जानकारी को एक अंतिम फैसले का रूप न दें।

भारत ने कहा कि वह उचित दस्तावेजों के साथ सामने आने वाले विशिष्ट मामलों पर, तय प्रक्रियाओं के जरिए चर्चा करने को तैयार है। हालांकि भारत ने उन कोशिशों का कड़ा विरोध किया, जिनमें बिना पुष्टि वाले आरोपों, अधूरे आंकड़ों या ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जाती है, जिनमें भारत से जुड़ी कोई ठोस टिप्पणी नहीं होती। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने यह भी तर्क दिया कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना को नई दिल्ली ने अनुचित और अपने आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य हस्तक्षेप करार दिया था। यह ताजा घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र के 20 से ज्यादा स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों के एक बयान के बाद सामने आया है। इन विशेषज्ञों ने मंगलवार को चिंता जताई थी कि युवाओं के नेतृत्व में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के खिलाफ पुलिस ने बार-बार बहुत कठोर रवैया अपनाया है।

विजयदशमी पर ईरान ने भारत को दी बधाई, बुराई के अंधकार को अच्छाई के प्रकाश से दूर करें

-अमेरिकी राष्ट्रपति पर कसा तंज- ट्रंप को रावण के रुप में किया पेश

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने विजयदशमी पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अनोखे और दिलचस्प अंदाज में तंज कसा है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था- जब ट्रंप को आखिरकार अपनी गलती का एहसास होता है। इस पोस्ट के जरिए ट्रंप को प्रतीकात्मक रूप से रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत के भारतीय त्योहार के प्रतीक का उपयोग करता है। संदेश में ईरान ने भारत के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि बुराई के अंधकार को हमेशा अच्छाई का प्रकाश दूर करे और सत्य, साहस व सद्भावना की जीत हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास ने उम्मीद जताई कि यह त्योहार भारत में शांति, समृद्धि, आपसी मेलजोल और खुशियां लेकर आएगा। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और आर्थिक टकराव जारी है, जिससे यह प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश और भी अहम हो जाता है। ऐसे में ट्रंप को लेकर साझा की गई तस्वीर के जरिए ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की है कि ट्रंप उसके मामलों में गलत हैं और ईरान सही है। यह तस्वीर अमेरिका के प्रति ईरान के विरोध और तंज वाले मीम की सीरीज का हिस्सा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी गंभीर बना हुआ है। ऐसे गंभीर भू-राजनीतिक माहौल में ईरान का यह प्रतीकात्मक और तंजपूर्ण संदेश सुर्खियां बटोर रहा है।

सूडान में ड्रोन हमले: 160 से अधिक नागरिकों की जान गई, बच्चे सहित लोग निशाने पर

सूडान,एजेंसी। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच जारी गृहयुद्ध अब लोगों के लिए अत्यंत घातक मोड़ ले चुका है। हाल के दिनों में हुए भीषण ड्रोन हमलों में 160 से अधिक लोगों की जान गई है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। ये हमले भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और विस्थापित लोगों के ठिकानों को किए गए हैं, जिससे मानवीय त्रासदी और गहरी हो गई है। सबसे ज्यादा मौतों की खबर दक्षिण-पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोर्डोफान राज्य के अल-दिबाब शहर से आई है। यहां रविवार शाम एक बाजार के पास बस स्टॉप पर हुए ड्रोन हमले में करीब 80 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, और गंभीर रूप से घायल 47 लोगों में से 30 ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई। नागरिक हिंसा पर नज़र रखने वाले संगठन इमरजेंसी ने हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है। इसी तरह, सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित अबेई क्षेत्र में सोमवार को एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में भी लगभग 73 लोग मारे गए। इस हमले का आरोप भी सूडानी सेना पर लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ब्लू नाइल प्रांत में विस्थापित लोगों के एक समूह पर हुए ड्रोन हमले में 41 लोगों की जान गई, जिसकी जानकारी इमरजेंसी सर्विस ने दी। राजधानी खार्तूम में हुए हमलों में तीन बच्चों की मौत हुई, जबकि दक्षिण दारफुर राज्य की राजधानी न्याला में 17 लोगों की जान गई, जिसमें आरएसएफ के सात अधिकारी शामिल थे।

पाक एयरलाइन में बड़ा घोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंग में की हेराफेरी

-कर्मचारी यात्रियों से एक्स्ट्रा-लेगरूम और बल्कहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर घोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एक्स्ट्रा-लेगरूम और बल्कहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फाइनेंस एंड ऑडिट कमिटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईए के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईए पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुप्रबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईए की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देनदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंततः जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईए अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।



होर्मुज से गैस आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान का गहराया ऊर्जा संकट

-बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का बढ़ रहा इस्तेमाल

इस्लामाबाद,एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष और होर्मुज से गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पाकिस्तान एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। एलएनजी की कमी के चलते देश को सर्दियों में अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगी कीमतों पर एलएनजी खरीदनी पड़ सकती है। पाकिस्तान एलएनजी लिमिटेड के प्रमुख मसूद नबी ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति में बाधाएं बनी रहीं, तो आने वाले सर्दियों के महीने देश के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण साबित होंगे। एलएनजी गैस की कमी से बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इससे पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे लाहौर और पंजाब के दूसरे शहरों में जहरीले स्मॉग का संकट और गहरा सकता है। पाकिस्तान की एलएनजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों, खासकर कतर से आता है, लेकिन मिडिल ईस्ट में संघर्ष की वजह से होर्मुज से एलएनजी की ढुलाई प्रभावित हुई है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसे सर्दियों में गैस की जरूरत पूरी करने के लिए महंगे विकल्पों पर निर्भर होना पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2026 से फरवरी 2027 के बीच आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट से एलएनजी के 10 अतिरिक्त कार्गो खरीदने पड़ सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 अरब डॉलर से अधिक होगी। स्पॉट मार्केट से खरीदी जाने वाली गैस की कीमत कतर से मिलने वाली एलएनजी की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ साबित होगा। यदि प्रमुख आपूर्तिकर्ता देशों से गैस की आपूर्ति बाधित हो जाए या समुद्री मार्गों से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो, तो उसका असर बिजली, उद्योग, घरेलू जरूरतों और सरकारी वित्त पर एक साथ पड़ सकता है।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में हालिया विरोध प्रदर्शनों के दंगों में बदलने और बड़े पैमाने पर हिंसा के पीछे 54 संगठनों और उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक नेटवर्क का हाथ होने का दावा सामने आया हैं। मीडिया रिपोर्ट इन घटनाओं की जटिलता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट समूह, छात्र संगठन, ट्रेड यूनियन, फिलिस्तीन समर्थक समूह और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान शामिल हैं, जिन्होंने फ्रांस को प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों में कथित रूप से भूमिका निभाई। रिपोर्ट में भारतीय मूल के वामपंथी विचारक और लेखक विजय प्रसाद का विशेष रूप से उल्लेख है। विजय प्रसाद ट्राइकॉन्टिनेंटल नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक हैं, इस संस्था को अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से वित्तीय सहायता मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसे मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसौमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा कराने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।



मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप को झटका, लोकप्रियता हुई धड़ाम

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है, जो आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गई है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, केवल 31 फीसदी अमेरिकी ही ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो उनके दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले सामने आया है, जहां प्रतिनिधि सभा और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होना है। सर्वेक्षण में कांग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देने की बात कह रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में केवल 35 फीसदी मतदाता हैं। दो सप्ताह पहले के मुकाबले ट्रंप की लोकप्रियता एक प्रतिशत अंक और गिरी है, जबकि डेमोक्रेट का समर्थन 44 से बढ़कर 47 प्रतिशत और रिपब्लिकन का समर्थन 37 से घटकर 35 प्रतिशत हो गया है। इन नतीजों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधिसभा और सीनेट दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की उम्मीदों को मजबूत किया है।

भारतीय जेम्स बांड डोभाल से डरा पाकिस्तान... आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए जिम्मेदार

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने लगाया आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल (एनएसए डोभाल) को लेकर पाकिस्तान में अक्सर भय और चिंता का माहौल दिखाता है, जहाँ कई लोग किसी भी आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी कड़ी में, पाकिस्तान के परमाणु हथियारों से जुड़े एक वरिष्ठ सलाहकार ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के सलाहकार, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने भारत पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीधे तौर पर डोभाल सिद्धांत का कार्यान्वयन करार दिया है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करना है।

लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में जमील ने आरोप लगाया कि भारत अपनी नीति के तहत आंतकवाद का निर्यात कर रहा है और पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के सिद्धांत को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अपने दावों का समर्थन करने के लिए, उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें 1971 में मुक्ति वाहिनी और 1980 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) को भारत द्वारा कथित समर्थन शामिल है। जमील ने 2001 से 2014 के बीच अफगानिस्तान में इंटरनेशनल सिक्योरिटी असिस्टेंस (आईएसएफ) के दौरान अफगान-पाकिस्तान सीमा पर भारत द्वारा छह वाणिज्य दूतावास संचालित करने का भी जिक्र किया। जमील ने भारत पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका अर्थ है कि ये मिसाइलें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जा सकती हैं। हालांकि, यह दावा पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइलें केवल पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकती हैं और वे भारत की सामरिक बल कमान का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल इसी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने दक्षिण एशिया को परमाणु तबाही के कगार पर पहुंचा दिया था, और यह केवल पाकिस्तान के रणनीतिक संयम के कारण ही स्थिति को बिगड़ने से बचाया जा सका।

जमील ने स्वीडिश थिंक टैंक स्विपी के आकलन का हवाला देकर संकेत दिया कि भारत परमाणु पनडुब्बी से लांच होने वाली मिसाइलों (एसएलबीएम) को तैनात करके पहले हमला करने की क्षमता विकसित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने अब अपने कुछ परमाणु वॉरहेड को पनडुब्बी से लांच होने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ जोड़ दिया है। जमील ने मार्च 2022 में भारतीय वायुसेना द्वारा गलती से ब्रह्मोस मिसाइल लांच किए जाने की घटना को पाकिस्तान पर जानबूझकर किया गया ब्रह्मोस हमला करार दिया। यह मिसाइल एक अभ्यास के दौरान गलती से लांच हुई थी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में गिरी थी।



उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव फिर खतरनाक स्तर पर

दक्षिण कोरिया ने कहा- वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा

प्योंग यान,एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सीमा पर सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने और दक्षिण कोरिया के खिलाफ प्रोपेगेंडा अभियान दोबारा शुरू करने की धमकी दी है। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों को किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने सीमा पर टकराव का खतरा बढ़ा दिया है। किम यो जोंग ने धमकी देते हुए सीमा के हालात को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान फिर से शुरू करने और ज्यादा सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उत्तर कोरिया की इस चेतावनी के बाद दक्षिण कोरिया ने साफ कर दिया कि वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा।



दोनों देशों के बीच मौजूदा विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक माइन विस्फोट के बाद और बढ़ गया, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने सीमा के दक्षिणी हिस्से में माइंस बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते समय सैन्य सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के दौरान चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं और लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित किए, जिसे उत्तर कोरिया उकसावे वाला बता रहा है।

उत्तर कोरिया की धमकियों के बाद दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी के तौर पर गोली चलाना और प्रसारण करना रक्षात्मक उपाय हैं, जिनका मकसद उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकना है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिशों का जवाब देने की अपील की गई है।

भारत ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर की प्रतिबंध की मांग

जिनेवा, एजेंसी। अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण और इसके हथियारकरण से जुड़े गंभीर जोखिमों के बीच भारत ने बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर रोक लगाने के लिए एक व्यापक और कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि अपनाने की वकालत की है। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने हाल ही में कहा कि भारत एक ऐसे कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज को प्राथमिकता देता है, जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हो, सत्यापन योग्य हो और बहुपक्षीय बातचीत से तय किया गया हो। उन्होंने जोर दिया कि बाहरी अंतरिक्ष की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरों, गलतफहमी और गलत आकलन के जोखिमों के साथ-साथ अंतरिक्ष में बल प्रयोग क्या माना जाएगा, इन सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए।

किशार ने ट्रक पर फायरिंग की फिर स्कूल में घुसकर तीन बच्चों व टीचर की कर दी हत्या

-मां ने बर्थडे पर बंदूक दी थी गिफ्ट, जांबाज राहगीर ने की हमलावर को रोकने की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में एक स्कूल में एक किशोर ने तीन बच्चों और एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी किशोर का नाम ग्रिफिन जे. जॉन द्वितीय बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा और हथियारों तक आसानी से पहुंच के मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात में इस्तेमाल की गई शॉटगन उसकी मां शॉन्टाई निकर्सन ने अगस्त 2026 में कानूनी रूप से खरीदी थी और जन्मदिन के तोहफे के रूप में अपने बेटे को दी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां ने यह बंदूक बेटे को मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करने के मकसद से दी थी, लेकिन इसका परिणाम घातक निकला। पुलिस के मुताबिक इस हमले में पांच साल के रोआम समर, 8 और 11 साल के दो अन्य बच्चों के साथ-साथ 25 साल की शिक्षिका मेगन लैम्बर्ट की जान चली गई। हमले में 7 साल की एक बच्ची और 54 साल की एक शिक्षिका भी घायल हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक घटना पिछले गुरुवार को हुई, जब जॉन द्वितीय ने स्कूल पहुंचने से पहले सड़क से गुजर रहे एक पिकअप ट्रक पर गोली चलाई। ट्रक के ड्राइवर ने ही सबसे पहले पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद किशोर ने स्कूल के बंद कांच वाले दरवाजों पर गोली चलाई और अंदर घुस गया। वह पहली कक्षा में पहुंचा और वहां मौजूद लोगों पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी के समय कक्षा में कुल नौ लोग मौजूद थे। हमलावर को रोकने में एक राहगीर ने बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने पहले पिकअप ट्रक पर हुई गोलीबारी देखी और फिर किशोर का पीछा करते हुए स्कूल के अंदर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि उस समय एक शिक्षिका आरोपी से बंदूक छीनने के लिए संघर्ष कर रही थीं, तभी दो छात्राओं के पिता जियामैंको कक्षा में पहुंचे और उन्होंने किशोर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जियामैंको के हस्तक्षेप से हमलावर को रोका जा सका, अन्यथा हताहतों की संख्या और बढ़ सकती थी। यह घटना अमेरिका में बंदूक नियंत्रण कानूनों की समीक्षा और किशोरों तक हथियारों की पहुंच पर बहस छेड़ दी है।

सम्पादकीय

पंचायत चुनाव की आहट और लोकतंत्र की जमीनी कसौटी



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों से जुड़ी गतिविधियां अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती दिखाई दे रही हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से करीब पांच लाख शीशियों में अमिट स्याही की खरीद के लिए निविदा जारी किया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है। भले ही इसे चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा नहीं माना जा सकता, लेकिन चुनाव में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक सामग्री की खरीद की प्रक्रिया शुरू होना यह संकेत देता है कि निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े पहलुओं पर काम आगे बढ़ रहा है। पंचायत चुनाव केवल प्रतिनिधियों को चुनने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की उस बुनियाद को मजबूत करने का अवसर भी हैं, जिसका सीधा संबंध गांवों की जरूरतों, स्थानीय विकास और आम नागरिकों की भागीदारी से है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में पंचायत चुनावों का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम पंचायतों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर निर्भर रहती है। ऐसे में चुनाव की तैयारियों का समयबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित होना बेहद जरूरी है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव में इस्तेमाल होने वाली लगभग पांच लाख शीशियों में अमिट स्याही की आपूर्ति के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की है। निविदा संबंधी जानकारी के अनुसार, स्याही सिल्वर नाइट्रेट से निर्मित होगी और भारतीय मानक आईएस 13209:2024 के अनुरूप दस मिलीलीटर की शीशी में ब्रश सहित उपलब्ध कराई जानी है। निविदा 22 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की गई, जबकि दस्तावेज डाउनलोड करने और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर निर्धारित की गई है। निविदाएं दो नवंबर को खोली जानी हैं और आपूर्ति के लिए 35 दिन की अवधि का उल्लेख किया गया है। पहली नजर में यह प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक सामान्य प्रशासनिक हिस्सा लग सकती है, लेकिन निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने में ऐसी व्यवस्थाओं की अहम भूमिका होती है। मतदान के दौरान मतदाता की उंगली पर लगाई जाने वाली अमिट स्याही दोबारा मतदान की संभावना को रोकने में मदद करती है। इसलिए इसकी गुणवत्ता, निर्धारित मानकों के अनुरूप आपूर्ति और समय पर उपलब्धता चुनाव प्रबंधन के जरूरी पहलुओं में शामिल हैं। किसी भी बड़े चुनाव में छोटी दिखने वाली व्यवस्थाओं की अनदेखी भी बाद में संचालन संबंधी कठिनाइयां पैदा कर सकती है। यही कारण है कि चुनाव सामग्री की खरीद से लेकर उसके वितरण तक हर चरण की निगरानी आवश्यक है।

पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर न्यायिक समयसीमा भी महत्वपूर्ण हो गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 14 अक्टूबर को आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन महीने के भीतर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया था। न्यायालय की इस टिप्पणी के बाद निर्वाचन संबंधी गतिविधियों पर स्वाभाविक रूप से ध्यान बढ़ा है। हालांकि, किसी भी न्यायिक निर्देश और चुनाव की वास्तविक तारीखों के बीच कई प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करना आवश्यक होता है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण, आरक्षण निर्धारण, मतदान केंद्रों की पहचान, चुनाव कर्मियों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान सामग्री की खरीद और वितरण जैसे काम आपस में जुड़े होते हैं। इनमें से किसी भी प्रक्रिया में देरी होने पर पूरी चुनावी व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रशासन के सामने चुनौती केवल निर्धारित समयसीमा में चुनाव कराने की नहीं, बल्कि सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को नियमों के अनुरूप पूरा करने की भी है। जल्दबाजी में औपचारिकताएं पूरी करना और समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण तैयारी करना दो अलग-अलग बातें हैं। चुनाव की विश्वसनीयता इसी में है कि समयसीमा का पालन करते हुए पारदर्शिता और निष्पक्षता से कोई समझौता न हो।

पंचायत चुनावों की वास्तविक अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि इनके माध्यम से गांवों के विकास से जुड़े अनेक फैसलों में स्थानीय प्रतिनिधियों की भूमिका तय होती है।

प्रधान संपादक

लॉजिस्टिक्स क्षेत्रः युवाओं के लिए करियर और रोजगार के नए अवसर



डॉ. विजय गर्ग

आज की तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र आर्थिक विकास, व्यापार और रोजगार सृजन के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक बनकर उभरा है। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन खरीदारी, विनिर्माण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार ने परिवहन, गोदाम प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (सप्लाई चेन मैनेजमेंट) की मांग में काफी वृद्धि की है। बेहतर करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह क्षेत्र रोजगार के विविध अवसरों, व्यावसायिक उन्नति और स्वरोजगार की संभावनाओं के नए द्वार खोलता है।

लॉजिस्टिक्स का अर्थ है वस्तुओं को उनके उत्पादन स्थल से अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाने की योजना बनाना तथा उनके परिवहन, भंडारण और वितरण का उचित प्रबंधन करना। इसमें सड़क, रेल, हवाई और समुद्री परिवहन, भंडार प्रबंधन, पैकेजिंग, गोदाम संचालन, ऑर्डर तैयार करना और सामान की डिलीवरी जैसी गतिविधियां शामिल हैं। एक प्रभावी लॉजिस्टिक्स व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि वस्तुएं सही समय पर, सही स्थान पर और उचित लागत पर पहुंचें। यह आधुनिक व्यापार और उद्योग की रीढ़ है।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे का विस्तार, विनिर्माण गतिविधियों में वृद्धि और ई-कॉमर्स की लोकप्रियता ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। ऑनलाइन खरीदारी के प्लेटफॉर्म, सुपरमार्केट, दवा कंपनियां, वाहन निर्माता, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और खुदरा व्यापार प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर करते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों, माल परिवहन गलियारों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, लॉजिस्टिक्स पार्कों और बहु-माध्यम परिवहन सुविधाओं के विकास से इस क्षेत्र को और मजबूती मिल रही है। बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहलों ने भी प्रशिक्षित लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों की आवश्यकता बढ़ाई है।

तेज डिलीवरी, बेहतर भंडार नियंत्रण और कम लागत पर परिवहन की बढ़ती मांग के कारण आपूर्ति श्रृंखला के प्रत्येक चरण में कुशल कर्मचारियों की जरूरत है। इसलिए लॉजिस्टिक्स अब केवल ड्राइवरों, गोदाम कर्मचारियों और डिलीवरी कर्मियों तक सीमित नहीं है। यह तकनीक आधारित उद्योग बन चुका है, जिसमें प्रशिक्षित प्रबंधकों, विश्लेषकों, इंजीनियरों और डिजिटल विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं, रुचियों और कौशल वाले युवाओं के लिए अनेक करियर विकल्प उपलब्ध हैं।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन: इस क्षेत्र के विशेषज्ञ खरीद, उत्पादन, भंडारण और वितरण की गतिविधियों में समन्वय स्थापित करते हैं। वे वस्तुओं की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने और परिचालन लागत कम करने में सहायता करते हैं। व्यवसाय प्रशासन, वाणिज्य और सप्लाई चेन मैनेजमेंट के स्नातक इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

परिवहन और वाहन बेड़ा प्रबंधन: परिवहन प्रबंधक डिलीवरी के मार्ग निर्धारित करते हैं, वाहनों के संचालन की निगरानी करते हैं, ईंधन की खपत पर नजर रखते हैं और समय पर सामान पहुंचाने की व्यवस्था करते हैं। परिवहन नियमों, मार्ग अनुकूलन और वाहनों की डिजिटल निगरानी का ज्ञान इस काम में उपयोगी है।

गोदाम और भंडार प्रबंधन: गोदामों में वितरण से पहले वस्तुओं को सुरक्षित रखा जाता है। गोदाम पर्यवेक्षक, भंडार नियंत्रक, स्टॉक प्रबंधक और परिचालन अधिकारी वस्तुओं के उचित रखरखाव तथा समय पर प्रेषण को सुनिश्चित करते हैं। भंडार प्रबंधन सॉफ्टवेयर और स्वचालित प्रणालियों का ज्ञान करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

ई-कॉमर्स और अंतिम चरण की डिलीवरी: ऑनलाइन खरीदारी के विस्तार से ऑर्डर तैयार करने, सामान भेजने, डिलीवरी का समन्वय करने, लौटाए गए उत्पादों का प्रबंधन करने और ग्राहक सेवा में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। विभिन्न शैक्षणिक योग्यताओं वाले युवा इन पदों से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और फ्रेट फॉरवर्डिंग: आयात-निर्यात कंपनियों को ऐसे विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है जिन्हें माल भेजने की प्रक्रियाओं, सीमा शुल्क संबंधी दस्तावेजों, कार्गो प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों की जानकारी हो। अंतरराष्ट्रीय व्यापार और लॉजिस्टिक्स से संबंधित पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में लाभदायक हो सकते हैं।

तकनीक और डेटा विश्लेषण: आधुनिक लॉजिस्टिक्स में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जीपीएस ट्रैकिंग, स्वचालित गोदाम, रोबोटिक्स और डेटा विश्लेषण का उपयोग बढ़ रहा है। परिवहन लागत का विश्लेषण करने, मांग का अनुमान लगाने और डिलीवरी को अधिक प्रभावी बनाने वाले विशेषज्ञों की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले विद्यार्थियों, डिप्लोमा धारकों, स्नातकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। कुछ प्रारंभिक पदों पर सामान्य शैक्षणिक योग्यता के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के आधार पर भी काम मिल सकता है। लॉजिस्टिक्स, परिवहन, गोदाम प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर सकते हैं।

वाणिज्य, प्रबंधन, इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र के स्नातक इस क्षेत्र में विशेष पाठ्यक्रम या स्नातकोत्तर कार्यक्रम कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और अप्रेंटिसशिप के माध्यम से भी व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया जा सकता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सुंदर त्वचा का राज सही देखभाल

डॉ. फौज़िया नसीम शाद

चेहरे की त्वचा पर दाग-धब्बे होना एक आम समस्या है। इसके कारण चेहरे की रंगत असमान दिखाई देने लगती है। धूप के अधिक संपर्क, त्वचा की उचित देखभाल न करने तथा अनुपयुक्त सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से त्वचा संबंधी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। इसलिए त्वचा की प्रकृति को समझते हुए उसकी उचित देखभाल करना आवश्यक है।

धब्बेदार त्वचा के प्रमुख कारण

त्वचा की उचित देखभाल न करना। सस्ते अथवा अनुपयुक्त सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग करना। धूप में अधिक समय बिताना। त्वचा में होने वाले प्राकृतिक बदलाव। त्वचा पर होने वाली जलन या सूजन के बाद दाग-धब्बे रह जाना। त्वचा की प्रकृति के अनुकूल उत्पादों का चुनाव न करना।

त्वचा की देखभाल के कुछ उपयोगी उपाय

चेहरे को नियमित रूप से हल्के और त्वचा के अनुकूल क्लींजर से साफ करें। त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए उपयुक्त मॉइस्चराइज़र का प्रयोग करें। धूप में निकलते समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और आवश्यकता पड़ने पर उसे दोबारा लगाएँ। किसी भी नए सौंदर्य प्रसाधन का प्रयोग करने से पहले



उसकी थोड़ी-सी मात्रा त्वचा के छोटे हिस्से पर लगाकर जाँच लें। त्वचा पर जलन, खुजली या लालिमा होने पर उस उत्पाद का इस्तेमाल बंद कर दें। चेहरे पर किसी भी घरेलू नुस्खे का प्रयोग सावधानी से करें। नींबू जैसे अम्लीय पदार्थ सीधे त्वचा पर लगाने से बचें।

क्या करें?

अपने आहार में हरी सब्जियों, मौसमी फलों और पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करें। पर्याप्त पानी पिएँ और त्वचा को स्वच्छ रखें। सौंदर्य प्रसाधनों का चयन अपनी त्वचा की प्रकृति के अनुसार करें। धूप में निकलते समय त्वचा को ढकने के लिए छाते, टोपी या अन्य उपयुक्त साधनों का प्रयोग करें। चेहरे पर बार-बार नए प्रयोग करने से बचें। यदि दाग-धब्बे लगातार बढ़ रहे हों, उनमें खुजली या दर्द हो अथवा उनकी प्रकृति में बदलाव दिखाई दे, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श लें।

सुंदर त्वचा के लिए ज़रूरी है सही देखभाल। सुंदर त्वचा केवल गोरी या बेदाग त्वचा का नाम नहीं है, बल्कि स्वस्थ, स्वच्छ और सहज त्वचा ही वास्तविक सुंदरता का प्रतीक है। त्वचा की देखभाल के लिए महँगे सौंदर्य प्रसाधनों से अधिक आवश्यक है सही जानकारी, नियमित देखभाल और अपनी त्वचा के प्रति संवेदनशीलता। उचित देखभाल अपनाकर हम त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में सार्थक कदम उठा सकते हैं।

(विभूति फीचर्स)

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

फेशियल चेहरे का और सफाई व्यक्तित्व की



विवेक रंजन श्रीवास्तव

दीपावली आते ही सफाई का ऐसा शंखनाद होता है कि घर के कोने कोने की शामत आ जाती है। साल भर जिस कबाड़ को हाथ लगाना भी गुनाह समझा जाता रहा, वह अचानक आँखों की किरकिरी बन जाता है। पुराने अखबार, टूटे खिलौने, बेकार तार और वे तमाम चीजें, जिनको जाने क्यों संजो कर रखा गया था, शायद किसी शुभ मुहूर्त में काम आने की उम्मीद रही हो, सबको घर से बाहर का रास्ता दिखाया जाने लगता है। श्रीमती जी उस कबाड़ से भी कुछ कमाई के जुगाड में कबाड़ी के इंतजार में होती हैं। हर कोई झाड़ू लेकर मैदान में उतर पड़ता है और मोहल्ले के कचरे घर की कैपेसिटी ओवर फ्लो होने लगती है।

श्रीमान जी के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगती हैं। उन्हें डर है कि कहीं सफाई के नाम पर उनकी गोपनीय अलमारी न खुल जाए। श्रीमती जी ने साफ फरमान सुना दिया कि इस बार घर का कोना कोना चमकना चाहिए। श्रीमान जी ने मुँह लटकाकर कहा कि पिछले साल भी तो सफाई हुई थी। उत्तर मिला कि पिछले साल घर चमका था, इस बार सबकी करतूतों की धूल झाड़ी जाएगी। सुनते ही उनके मुँह में दही जम गया। वे कुछ कहते भी तो क्या कहते! पत्नी के सामने ज्यादा मुँह चलाने का परिणाम वे कई बार भुगत चुके थे। अब मुँह की खाने से बेहतर उन्हें झाड़ू उठाकर कर्मयोगी बनना लगा।

उधर बाजारों में दीपावली का सौंदर्य महोत्सव चल रहा है। दुकानों का मेकओवर हो रहा है, सड़कों का मेकअप हो रहा है और दीवारों पर रंग रोगन की ऐसी परत चढ़ रही है कि पुरानी बदसूरती मुँह छिपाती फिर रही है। नगर की कुछ सड़कों पर अचानक सफाई देखकर नागरिकों के मुँह में घी शक्कर घुलने लगती है। लेकिन कूड़े का ढेर जरा सा पर्दा हटते ही फिर मुँह चिढ़ाने लगता है। लगता है, सफाई ने भी ठान लिया है कि कुछ दिन के लिए ही सही, शहर का मुँह दिखाने लायक बना दिया जाए।

राजनीति में तो सफाई का खेल और भी निराला है। नेता जी मंच से भ्रष्टाचार पर झाड़ू फेरने की घोषणा करते हैं। उनके मुँह से फूल झड़ते हैं, मगर उनके कर्मों की फाइल खुलते ही दूध का दूध और पानी का पानी होने लगता है। विरोधियों का मुँह काला करने में उन्हें महारत हासिल है, लेकिन अपने गिरेबान में झाँकने की बारी आए तो साँप सूँघ जाता है। सवाल पूछिए तो मुँह पर ताला लग जाता है। सच सामने रखिए तो बगलें झाँकने लगते हैं। और जब जनता हिसाब माँगती है, तब वही नेता जी मुँह छिपाते फिरते हैं।

वाह रे सफाई अभियान! कूड़ा हटाने से पहले कूड़ा फैलाने वालों की पहचान कौन करेगा?

सच तो यह है कि सफाई का सबसे बड़ा दुश्मन घर का कूड़ा नहीं, मन का कचरा है। ईर्ष्या की धूल, अहंकार के जाले, स्वार्थ की चिकनाई और छल की कालिख चेहरे के किसी फेशियल से नहीं उतरती। किसी का हक मारकर, किसी को अपमानित करके और फिर दीप जलाकर पुण्य का हिसाब बराबर नहीं किया जा सकता। दूसरों को उपदेश देना आसान है, अपनी बुरी आदतों पर झाड़ू फेरना कठिन।

इस दीपावली घर चमकाइए, गलियाँ सँवारिए और शहर को स्वच्छ बनाइए, मगर कूड़ा पड़ोसी के दरवाजे पर डालकर अपनी पीठ मत थपथपाइए। रिश्तों की धूल भी झाड़िए, कटु वचनों की गंदगी भी हटाइए और किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा का दीप भी जलाइए।

आखिर चेहरे पर चमक हो और चरित्र पर कालिख, तो ऐसी सुंदरता किस काम की? लक्ष्मी जी के स्वागत में घर का दरवाजा खुला रखिए, लेकिन मनुष्यता के प्रवेश पर मुँह मत फेरिए। इस दीपावली फेशियल चेहरे का ही नहीं, व्यक्तित्व का भी कीजिए। क्योंकि असली उजाला दीये की लौ से शुरू जरूर होता है, मगर उसकी सार्थकता मन, वचन और कर्म की सफाई से ही पूरी होती है।

(विभूति फीचर्स)

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

शरद पूर्णिमा महारासः मन के चंद्रमा पर इंद्रियों का नृत्य

डॉ. दीपक गोस्वामी

शरद पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में निर्मल चंद्रप्रकाश, शीतलता, भक्ति और प्रेम का अनुपम पर्व है। वर्षा के बाद स्वच्छ आकाश और चंद्रमा की उज्ज्वल आभा इस रात को विशेष बनाती है। इसी अवसर पर श्रीकृष्ण के महारास का स्मरण होता है, जो केवल नृत्य नहीं बल्कि प्रेम, समर्पण और अहंकार के विसर्जन का आध्यात्मिक प्रतीक है। शरद ऋतु और पूर्ण चंद्रमा के संयोग को कई क्षेत्रों में कोजागरी पूर्णिमा कहा जाता है। को जागर्ति यानी कौन जाग रहा है, इस भाव के साथ लक्ष्मी पूजन और रात्रि जागरण की परंपरा जुड़ी है। चंद्रप्रकाश में खीर रखने की मान्यता लोकपरंपरा में है, पर इसे वैज्ञानिक औषधि नहीं मानना चाहिए। इस पर्व का आध्यात्मिक संकेत है कि जैसे निर्मल आकाश में चंद्रमा स्पष्ट दिखता है, वैसे ही विकार और अहंकार से मुक्त मन में विवेक और प्रेम का प्रकाश अधिक स्पष्ट होता है।

श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध की रासपंचाध्यायी रासलीला का मुख्य आधार है। शरद की चंद्रज्योत्स्ना, यमुना तट, वृंदावन और कृष्ण की वंशी भक्ति साहित्य में प्रेम और आत्मसमर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति हैं। वंशी की ध्वनि पर गोपियों का खिंचा चला आना इस बात का प्रतीक है कि जब भीतर सत्य और परमात्मा



के प्रति अनुराग जागता है, तब मन उच्चतर उद्देश्य की ओर मुड़ने लगता है। गोपियाँ भागवत में श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम रखने वाली भक्त हैं। उन्हें केवल इंद्रियों का प्रतीक मान लेना एक संभावित आध्यात्मिक रूपक हो सकता है, कथा का संपूर्ण अर्थ नहीं। उनकी भक्ति सांसारिक स्वार्थ और अहंकार से ऊपर उठा समर्पण है। महारास को लौकिक प्रेम तक सीमित करना उसकी गहराई को छोटा करना होगा। वैष्णव परंपरा में यह ईश्वर और भक्त के प्रेम का विशिष्ट उत्सव है।

जीवन का बड़ा संघर्ष मन और इंद्रियों के बीच है। आँखें आकर्षक वस्तु की ओर दौड़ती हैं, कान प्रशंसा सुनना चाहते हैं, जीभ स्वाद के पीछे भागती है और मन इनमें उलझकर अशांत होता है। गीता कहती है कि इंद्रियों से श्रेष्ठ मन, मन से श्रेष्ठ बुद्धि और बुद्धि से परे आत्मतत्त्व है। यह शिक्षा इच्छाओं का गुलाम बनने के बजाय विवेकपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती है। जब इंद्रियाँ बिना विचार के चलाती हैं, तब आवेग और पछतावा बढ़ता है। जब मन विवेक के मार्गदर्शन में रहता है, तब निर्णयों पर नियंत्रण रहता है। महारास को इस दृष्टि से आंतरिक रूपक मान सकते हैं कि मन, बुद्धि और इंद्रियाँ जब सत्य, प्रेम और सदाचार के अनुरूप चलें, तब जीवन में समन्वय आता है। इंद्रियों का दमन ही साधना नहीं है। सुंदरता देखना, संगीत सुनना, स्वाद लेना जीवन के स्वाभाविक पक्ष हैं। आवश्यकता उन्हें विवेक और मर्यादा से जीने की है।

प्रत्येक गोपी के साथ कृष्ण का उपस्थित होना भक्ति का गहरा प्रसंग है। इसका अर्थ है कि ईश्वर किसी एक के प्रेम तक सीमित नहीं, प्रत्येक भक्त के लिए सुलभ हैं। इसका सामाजिक संदेश भी है कि सच्चा प्रेम बाँधना नहीं, स्वीकार करना है। जहाँ ईर्ष्या और स्वामित्व है, वहाँ बंधन है और जहाँ करुणा और सम्मान है, वहाँ विस्तार है। भक्ति का मूल्य बाहरी प्रदर्शन से नहीं, आचरण, विनम्रता और संवेदनशीलता से मापा जाना चाहिए।

ब्रज केवल कल्पना नहीं, भारत की वास्तविक सांस्कृतिक भूमि है। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, नंदगाँव श्रीकृष्ण की कथाओं और उत्सवों से जुड़े हैं। साथ ही ब्रज हृदय की अवस्था भी है। जहाँ प्रेम, करुणा, सेवा और दूसरे के सुख में अपना सुख देखने की क्षमता हो, वहाँ ब्रज की चेतना है। यमुना केवल मन की नदी नहीं, ब्रज की जीवनरेखा हैं। उनकी आध्यात्मिक महत्ता के साथ उनकी स्वच्छता और पारिस्थितिकी की रक्षा भी हमारा दायित्व है। वृंदावन की भक्ति केवल मंदिर दर्शन तक सीमित न रहे, वहाँ के पर्यावरण, पशु पक्षियों और स्थानीय निवासियों के प्रति संवेदनशीलता भी धर्म का हिस्सा बने।

रास में गोपियों के मन में विशेष होने का भाव आने पर कृष्ण के अंतर्ध्यान होने और फिर व्याकुल खोज का प्रसंग भक्ति में विरह और उत्कंठा का मार्मिक चित्रण है। इसका संदेश है अहंकार का त्याग। जब साधक स्वयं को श्रेष्ठ मानने लगता है, तब विनम्रता घटने लगती है। भक्ति पदक नहीं है, अहंकार को पहचानने और प्रेमपूर्वक जीने की सतत प्रक्रिया है। साधना का प्रमाण जप की संख्या या आयोजन की भव्यता नहीं, बल्कि यह है कि क्रोध कितना घटा, व्यवहार कितना मधुर हुआ और संवेदना कितनी बढ़ी।

शरद पूर्णिमा पर खीर बनाकर चंद्रप्रकाश में रखने की परंपरा श्रद्धा और पारिवारिक सहभागिता का उत्सव है। यह वैज्ञानिक रूप से अमृत बन जाती है या आँखों की ज्योति बढ़ाती है, इसके विश्वसनीय प्रमाण नहीं हैं। खीर पौष्टिक हो सकती है, पर उसकी पौष्टिकता सामग्री और मात्रा पर निर्भर है। यदि खीर बाहर रखें तो धूल और कीटों से सुरक्षित रखें और लंबे समय तक सामान्य तापमान पर न छोड़ें। परंपरा का आनंद विवेक के साथ लेना ही श्रद्धा और ज्ञान का संतुलन है।

शरद पूर्णिमा को केवल चंद्र दर्शन या खीर तक सीमित न रखें। कुछ समय शांत बैठकर देखें कि कौन सी इच्छाएँ तनाव देती हैं और कौन सी आदतें संबंध कमजोर करती हैं। कृष्ण की वंशी को भक्ति की पुकार मानें तो उत्तर आचरण से दें। सत्य बोलें, विश्वास रखें, प्रकृति का सम्मान करें और जरूरतमंद की सहायता करें। इंद्रियों को शत्रु नहीं, विवेकपूर्ण जीवन का सहयोगी बनाएँ। बाहरी चंद्रमा शीतलता देता है, भीतर का विवेक दिशा देता है। ब्रज प्रेम की परंपरा से जोड़ता है और महारास समर्पण व विनम्रता सिखाता है। मन का चंद्रमा निर्मल हो, इंद्रियों का व्यवहार संयमित हो और हृदय में प्रेम का महारास चलता रहे, यही मंगलकामना है।

(विभूति फीचर्स)

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन नई योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल रह सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से काम लेने पर सफलता मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वृषभः आज आपको अपने कामकाज में स्थिरता बनाए रखने की जरूरत है। नौकरी और कारोबार में कुछ नए अवसर सामने आ सकते हैं। किसी भी आर्थिक फैसले से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार करें। पारिवारिक जीवन में आपसी सहयोग से परिस्थितियां बेहतर हो सकती हैं।

मिथुनः आज बातचीत और संपर्कों के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में अपनी बात स्पष्टता से रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। पुराने मित्र से बातचीत मन को प्रसन्न कर सकती है।

कर्कः आज परिवार और निजी जिम्मेदारियों पर आपका ध्यान अधिक रह सकता है। कामकाज में किसी चुनौती का सामना करना पड़े तो संयम बनाए रखें। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतना बेहतर होगा। घर के सदस्यों के साथ बातचीत से किसी समस्या का समाधान निकल सकता है।

सिंहः आज आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबारियों को योजनाओं पर अमल करने से पहले उचित तैयारी करनी चाहिए। दूसरों की सलाह सुनें, लेकिन अंतिम निर्णय सोच-विचार कर लें।

कन्याः आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपके लिए उपयोगी रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से गलतियों से बच सकते हैं। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है।

तुलाः आज संतुलन और समझदारी से लिए गए फैसले लाभकारी साबित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ तालमेल बनाए रखें। कारोबार में नए संपर्क बनाने का अवसर मिल सकता है। निजी संबंधों में स्पष्ट बातचीत से गलतफहमियां दूर करने में मदद मिलेगी।

वृश्चिकः आज किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। अपनी योजनाओं को व्यवस्थित रखें और दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहें। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको मानसिक सुकून दे सकता है।

धनुः आज सीखने और नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए दिन उपयोगी रह सकता है। नौकरी और कारोबार में आगे बढ़ने के अवसरों पर विचार करें। विद्यार्थियों को मेहनत जारी रखने की जरूरत है। किसी यात्रा की योजना बनाते समय समय और खर्च का ध्यान रखें।

मकरः आज जिम्मेदारियों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और निरंतर प्रयास से काम आगे बढ़ सकता है। धन संबंधी मामलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। परिवार के सदस्यों की बात ध्यान से सुनना रिश्तों में मधुरता बनाए रखने में मदद करेगा।

कुंभः आज नए विचारों और रचनात्मक योजनाओं पर काम करने का अवसर मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कौशल को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। कारोबार में कोई नया कदम उठाने से पहले पूरी जानकारी जुटाएं। मित्रों के साथ बातचीत उपयोगी साबित हो सकती है।

मीनः आज भावनाओं के साथ-साथ व्यावहारिक सोच को भी महत्व दें। कार्यक्षेत्र में अधूरे काम निपटाने पर ध्यान देना लाभकारी रहेगा। आर्थिक मामलों में किसी के कहने मात्र पर निवेश करने से बचें। परिवार के साथ समय बिताने और अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखने से दिन बेहतर बन सकता है।

विशेष सलाहः आज किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। धैर्य, विवेक और सकारात्मक सोच को प्राथमिकता दें। यह राशिफल सामान्य ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित है।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816

समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद।

उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट पुलिस ने शुक्रवार की मध्य रात्रि को एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने नकदी, अवैध हथियार और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद किया है। गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हुए हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त सिहानी गेट जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि थाना सिहानी गेट पुलिस शुक्रवार की मध्य रात्रि को मेरठ रोड के पास चेकिंग कर रही थी। तभी दो बदमाश स्कूटी पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया तो बदमाश पुलिस पार्टी पर गोली चलाते हुए भागने लगे। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली गौरव और विवेक नामक दो बदमाशों के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों के पास से पुलिस ने अवैध हथियार, टप्पेबाजी की गई रकम में से 4600 रुपए नकद, घटना में प्रयुक्त की गई स्कूटी आदि बरामद किया है। इन बदमाशों ने कई लोगों से टप्पैबाजी करनी स्वीकार की है।

गाजियाबाद में फर्नीचर के गोदाम में लगी आग

गाजियाबाद।

उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के रमतेराम रोड पर शुक्रवार मध्य रात्रि को एक फर्नीचर गोदाम में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। मुख्य दमकल अधिकारी सौरव सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शार्ट सर्किट मानी जा रही है। गोदाम में फर्नीचर की मरम्मत का काम होता है।

उन्होंने बताया कि दमकल विभाग को शुक्रवार रात को रमतेराम रोड स्थित फर्नीचर गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद कोतवाली फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ी मौके पर भेजी गई। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का काम शुरू किया और करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। सीएफओ ने बताया कि रमतेराम रोड पर फर्नीचर के कई शोरूम और गोदाम हैं। ऐसे में आग आसपास की दुकानों और गोदामों तक फैलने की आशंका थी। समय रहते दमकल के पहुंचने और आग पर काबू पाने से बड़ा हादसा टल गया।

नोएडा में ट्रैफिक पुलिस के कांस्टेबल की बाइक चोरी

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर नोएडा के थाना फेस- वन में यातायात पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है।

थाना फेस- 1 के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि कांस्टेबल पवन कुमार ने शनिवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह यातायात पुलिस में कार्यरत हैं। डीएनडी टोल पर वह ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए कार्यरत थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल डीएनडी पुल के लूप की साइड में खड़ी की थी। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने वहां से उनकी बाइक चोरी कर ली है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि चंदन महतो ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने अपनी स्कूटी सेक्टर 10 स्थित एक कंपनी के बाहर खड़ी की थी। वहां से अज्ञात बदमाशों ने उनकी स्कूटी चोरी कर ली है।

उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

10 महीने में 900 एचआईवी पॉजिटिव, इनमें आधे से अधिक किशोर और युवा

वाराणसी

10 माह और 900 नए एचआईवी संक्रमित। आंकड़ा चिंताजनक है। पॉजिटिव होने की सबसे बड़ी वजह एक ही सिरिंज से ड्रग्स लेना हो सकती है, इसके अलावा असुरक्षित यौन संबंध और एक ही सिरिंज से टैटू बनवाना भी हो सकता है। बीएचयू अस्पताल में जांच कराने वाले 728 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, इनमें 150 से ज्यादा वाराणसी के हैं।

इस साल दस महीने (जनवरी से अक्तूबर तक) में ही करीब 900 नए एचआईवी संक्रमित मिले हैं। इनमें आधे से ज्यादा किशोर और युवा हैं। उम्र 15 से 45 साल के बीच है। सर्वाधिक 728 लोगों में संक्रमण की पुष्टि बीएचयू अस्पताल में जांच के बाद हुई है। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में जांच करवाने वाले 175 लोगों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। शहरी इलाकों में रहने वाले ज्यादा संक्रमित हुए हैं।



संक्रमण की जो वजह सामने आई है उनमें एक ही सिरिंज से ड्रग्स लेना, असुरक्षित यौन संबंध, गलत इंजेक्शन से टैटू बनवाना शामिल है। सरकारी हो या निजी अस्पताल हर छोटी से बड़ी सर्जरी करवाने से पहले डॉक्टर एचआईवी की जांच करवाते हैं।

सरकारी अस्पतालों में रोजाना करीब 120 लोगों की एचआईवी, हेपेटाइटिस की जांच निशुल्क होती है। जिला अस्पताल के एआरटी सेंटर में औसतन 60 लोग जांच कराते हैं। बीएचयू अस्पताल में भी जांच होती है। अगर किसी मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आती भी है तो उसके प्रोटोकॉल के अनुसार आगे का इलाज किया जाता है। नियमित दवा दी जाती है। जांच की रूटीन व्यवस्था होती है। एक टीम काउंसिलिंग करती है।

एक ही सिरिंज से लिया नशीला ड्रग्स, 30 पॉजिटिव, दो की मौत

जिला अस्पताल स्थित ओएसटी सेंटर पर पिछले दो साल में 30 ऐसे लोगों में एचआईवी की पुष्टि हुई है जिन्होंने एक ही सिरिंज से नशीला ड्रग्स लिया था। इनमें से दो महिलाओं की अब तक मौत हो चुकी है। बाकी लोगों को एक निर्धारित समय पर सेंटर पर बुलाकर काउंसिलिंग के साथ ही दवा दी जा रही है।

सेंटर के काउंसलर प्रेमप्रकाश श्रीवास्तव का कहना है कि एचआईवी पॉजिटिव जो मामले आते हैं उनमें सिरिंज से ड्रग्स लेने वाले करीब 35 फीसदी मामले देखने को मिलते हैं।

बीएचयू में काशी के 150 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई

जनवरी से सितंबर तक बीएचयू अस्पताल में जांच करवाने के बाद जिन 728 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें करीब 150 लोग वाराणसी के हैं। बाकी पूर्वांचल(जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, चंदौली, सोनभद्र, भदोही आदि वाराणसी के आसपास के जिलों) बिहार आदि जगहों के 550 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। 550 में से 200 से लोग ऐसे हैं जिनकी उम्र 17 से 50 साल के बीच है।

जांच के जो सेंटर हैं वहां नियमित निशुल्क जांच कराई जाती है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट हर महीने तैयार कराई जाती है। संक्रमित लोगों की काउंसिलिंग की जाती है।

सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती, मुख्तार के बेटे ने दी जानकारी



गाजीपुर

गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई है। आनन-फानन उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की विशेष टीम की देखरेख में उनका इलाज हो रहा है। अफजाल अंसारी के भतीजे और मऊ सदर सीट से विधायक अब्बास अंसारी ने यह जानकारी दी है।

गाजीपुर के सपा सांसद अफजाल अंसारी की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। पिछले तीन-चार दिन से बुखार से पीड़ित सांसद को शुक्रवार शाम सीने में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एंबुलेंस से लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल ले गए, जहां उन्हें भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

उनके प्रतिनिधि के मुताबिक, फिलहाल उनकी स्थिति कुछ ठीक बताई जा रही है। सांसद के प्रतिनिधि बलिराम पटेल ने बताया कि अफजाल अंसारी मुहम्मदाबाद स्थित अपने आवास पर थे। पिछले तीन-चार दिन से उन्हें बुखार आ रहा था। स्थानीय चिकित्सक से उनका उपचार चल रहा था। शुक्रवार शाम सीने में दर्द की शिकायत के साथ उन्हें तीन-चार बार उल्टी हुई। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक परिवार को आत्मनिर्भर बनाना महाकुंभ से भी बड़ा पुण्य : राज्यपाल

कानपुर

पारंपरिक हस्तकलाओं को बचाने के लिए कारीगरों को उचित बाजार, प्रशिक्षण और उनके उत्पादों का सही मूल्य दिलाना जरूरी है। जिला प्रशासन सभी शिल्पकारों की सूची तैयार कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़े और स्थानीय उत्पादों की खरीद को बढ़ावा दे। यह बातें शुक्रवार को कानपुर के चुन्नीगंज स्थित कन्वेंशन सेंटर में 93वीं क्राफ्टरूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं।



पांच दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन ग्रामश्री एवं क्राफ्टरूट्स की ओर से किया गया है। इसमें 22 राज्यों के 90 से अधिक शिल्पकार अपनी कलाकृतियां और पारंपरिक उत्पाद लेकर पहुंचे हैं।

राज्यपाल ने विभिन्न स्टालों का अवलोकन कर कारीगरों से उनकी कला और निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली।

राज्यपाल ने कहा कि हस्तनिर्मित वस्तुओं के पीछे कारीगरों का वर्षों का अनुभव, मेहनत और पारंपरिक ज्ञान होता है।

ग्लैमर की दुनिया ने बनाई श्रद्धा दुबे से दूरी, 'सर' की पैरवी वाला भी कोई नहीं पहुंचा; न ही पहुंचा सामान

लखनऊ

शिवा हत्याकांड की आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश की जमानत अर्जी को प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने शुक्रवार को खारिज कर दिया।

जिस श्रद्धा दुबे के एक इशारे पर कभी आम से लेकर खास तक दौड़े चले आते थे, शुक्रवार को वह अपनों की राह देखती रही। कभी कीमती गहनों और लाखों रुपये के पर्स के साथ किसान बाजार पहुंचने वाली श्रद्धा के लिए जेल की जिंदगी बिल्कुल अलग है। महज 10 दिन में बदले हालात के बीच उसे दिनभर किसी अपने के आने की उम्मीद रही लेकिन शाम तक कोई मिलने नहीं पहुंचा।



महिला सर्किल की मुलाहिजा बैरक में बहन रश्मि के साथ बैठी श्रद्धा की निगाहें दरवाजे पर टिकी रही। जेल में मुलाकात की पर्ची लगने के बाद बंदी राइटर संबंधित को सूचना देने बैरक के बाहर आता है। श्रद्धा को भी इसी पुकार का इंतजार था। हर आहट पर उसकी नजरें दरवाजे की ओर उठती मगर दिन गुजरता रहा और इंतजार खत्म नहीं हुआ। चकाचौंध और ऐशो-आराम से दूर जेल की चारदीवारी में शुक्रवार का दिन श्रद्धा के लिए अपनों की प्रतीक्षा और जरूरी सामान की कमी के बीच बीता।

बृहस्पतिवार रात जेल में दाखिल होते समय श्रद्धा अपने साथ कपड़े और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीजें नहीं ले गई थी। इसका असर दैनिक कामकाज पर भी पड़ा। बहन रश्मि के साथ उसे कपड़ों का इंतजाम होने का इंतजार करना पड़ा। बाल संवारने तक के लिए श्रद्धा को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाहर की जिंदगी में सहजता से उपलब्ध रहने वाली सुविधाओं के बिना दिन गुजारना उसके लिए नई चुनौती बन गई। जेल सूत्रों के मुताबिक, श्रद्धा को किसी परिचित के मिलने आने की आस थी। उसे 'सर' की पैरवी का भी इंतजार रहा लेकिन शाम तक कोई उससे मिलने नहीं पहुंचा।

नहीं मिली जमानत

शिवा हत्याकांड की आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश की जमानत अर्जी को प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। शिवा की हत्या हुई या उन्होंने आत्महत्या की, इसका पता करने के लिए पुलिस फोरेंसिक टीम की मदद से घटना का रिक्रिएशन करेगी। इसके लिए टीम तैयार कर ली गई है।

उधर, कोर्ट में शुक्रवार को तीनों आरोपियों को जमानत देने की मांग वाली अर्जी दी गई। अर्जी में कहा गया कि तीनों आरोपी पूर्णतया निर्दोष हैं और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है, बल्कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है।

पति की कातिल पत्नियों को मृत्युदंड : हाईकोर्ट में अपील, साहिल-अमरदीप आगरा और मुस्कान-रविता लखनऊ जेल भेजे जाएंगे

मेरठ

मेरठ के सौरभ राजपूत और अमित कश्यप हत्याकांड में मृत्युदंड पाए चारों दोषियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की है। साहिल-अमरदीप को आगरा और मुस्कान-रविता को लखनऊ जेल भेजने की तैयारी है।

सौरभ राजपूत और अमित कश्यप हत्याकांड में अदालत से मृत्युदंड की सजा पाए चारों दोषियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। दोषियों की ओर से निजी अधिवक्ताओं के माध्यम से अपील दाखिल की गई है।

वहीं, मेरठ जेल प्रशासन ने चारों को अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

जेल अधिकारियों के मुताबिक, साहिल और अमरदीप को आगरा जेल तथा मुस्कान और रविता को लखनऊ स्थित नारी बंदी निकेतन भेजने के लिए संबंधित अधिकारियों से पत्राचार किया गया है।

चारों दोषियों ने हाईकोर्ट में दाखिल की अपील

दोनों हत्याकांडों में मृत्युदंड की सजा सुनाए जाने के बाद दोषियों ने फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मुस्कान, साहिल, रविता और अमरदीप की ओर से अधिवक्ता निधि त्रिवेदी और रविकेंद्र प्रताप सिंह के माध्यम से अपील दायर की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, अपील पर अगले सप्ताह सुनवाई की तारीख निर्धारित होने की उम्मीद है। दोषी जेल प्रशासन से अपने मुकदमों की अगली तारीख के बारे में जानकारी भी ले रहे हैं। हालांकि, सुनवाई की तारीख तय होने की आधिकारिक पुष्टि होने के बाद ही इसकी जानकारी स्पष्ट होगी।

साहिल और अमरदीप को आगरा जेल भेजने की तैयारी

वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि साहिल और अमरदीप को आगरा जेल स्थानांतरित करने के लिए लखनऊ स्थित जेल मुख्यालय को पत्र भेजकर पत्राचार किया गया है। स्थानांतरण की प्रक्रिया संबंधित अधिकारियों की अनुमति और प्रशासनिक निर्णय के अनुसार आगे बढ़ेगी।

जेल प्रशासन का उद्देश्य दोनों पुरुष दोषियों को निर्धारित व्यवस्था के तहत दूसरी जेल में स्थानांतरित करना है। फिलहाल स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

मुस्कान और रविता को लखनऊ भेजने की योजना

महिला दोषियों मुस्कान और रविता को लखनऊ स्थित नारी बंदी निकेतन में स्थानांतरित करने के लिए भी डीजी जेल से पत्राचार किया गया है। जेल प्रशासन के अनुसार, इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया चल रही है।

जनवरी तक कानपुर के 40 चौराहों का होगा कायाकल्प, जाम से मिलेगी निजात

कानपुर।

कानपुर के 40 प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए जनवरी 2027 तक आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। 'प्रोजेक्ट गिफ्ट' के तहत लेफ्ट फ्री व्यवस्था, यू-टर्न, दिशा-सूचक बोर्ड और रोड मार्किंग कराई जाएगी। सभी चौराहों के साइट प्लान तैयार होने के साथ डीपीआर और टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सड़क सुरक्षा संबंधी निदेशों का पालन न करने पर चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। यह बातें शुक्रवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने कहीं।



जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चौराहों पर सुधार कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य यातायात को व्यवस्थित करना, जाम की समस्या कम करना और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को घटाना है। लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नगर निगम और कानपुर विकास प्राधिकरण को आपसी समन्वय से काम करने को कहा गया।

40 चौराहों पर विकसित होंगी सुविधाएं

प्रथम चरण में रामादेवी, टाटमिल, रावतपुर, घंटाघर, डिप्टी पड़ाव, मूलगंज, सरसैया घाट, एलएलआर अस्पताल, आर्य नगर, बंगला भवन, फजलगंज, चावला मार्केट, नंदलाल, सचान, बर्रा बाईपास, शास्त्री चौक, विजय नगर, शिवली, जरीब चौकी और अफीम कोठी चौराहे शामिल हैं।

इसके अलावा गोल चौराहा, बारा देवी, डबल पेट्रोल पंप, नौबस्ता, बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट, दासू कुआं, नरोना, फूलबाग, कल्याणपुर मेट्रो स्टेशन तिराहा, केंद्रांचल, चंद्रिका देवी, गुमटी नंबर-पांच, जूही नहरिया, बकरगंज, नमक फैक्ट्री, जाजमऊ, किदवई नगर, नयागंज और कोका-कोला चौराहे पर भी यातायात सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

कानपुर में आईटी हब बनाने की पहल तेज करेंगे सांसद प्रकाश पाल

कानपुर।

कानपुर को आईटी हब के रूप में विकसित करने के लिए तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

इस संबंध में जल्द ही केंद्र और प्रदेश सरकार के आईटी मंत्रियों के साथ बैठक की जाएगी। यह बातें शुक्रवार को राज्यसभा सांसद प्रकाश पाल ने कहीं।



भाजपा सांसद प्रकाश पाल ने गुरुवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर पहुंचकर संस्थान के प्रोफेसरों के साथ शहर में आईटी हब विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। करीब एक घंटे चली बैठक में आईटी क्षेत्र के विस्तार, तकनीकी संसाधनों के उपयोग और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में डीन ऑफ रिसोर्स एंड एलुमनी प्रो. अमेय करकरे, प्रो. अंकुश शर्मा और प्रो. जयंत सिंह सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे।

प्रकाश पाल ने कहा कि कानपुर की औद्योगिक पहचान और यहां मौजूद शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल कर शहर को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सकती है। आईटी हब विकसित होने से स्थानीय युवाओं को सॉफ्टवेयर, डिजिटल तकनीक और स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार तथा उद्यमिता के अवसर मिलेंगे। इससे शहर के आर्थिक विकास को भी गति मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों से मिले सुझावों को प्रस्तावित कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा।

17 जनपदों की मतपेटियां कड़ी सुरक्षा में डीडीयू विश्वविद्यालय पहुंचीं, देर रात तक डटे रहे मंडलायुक्त और डीएम

गोरखपुर।

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए शुक्रवार को 17 जनपदों के 200 मतदान केंद्रों पर हुए मतदान के बाद मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में पहुंचाया गया। मतपेटियों को सुरक्षित तरीके से निर्धारित स्थल पर रखवाने और पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी देर रात तक मुस्तैद रहे। वाणिज्य संकाय में मतपेटियों को प्रत्याशियों की मौजूदगी में सुरक्षित रखा गया। मतपेटियों की सुरक्षा के साथ ही परिसर में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई जिससे किसी प्रत्याशी को किसी प्रकार की शिकायत ना रहे ।



मतपेटियों को सुरक्षित रखने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए है। 17 जनपदों के विभिन्न मतदान केंद्रों से मतपेटियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत वाणिज्य संकाय तक पहुंचाया गया। दूरस्थ जनपदों से मतपेटियां आने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। सुल्तानपुर, श्रावस्ती और गोंडा जैसे जनपदों से भी देर रात तक मतपेटियां पहुंचती रहीं। मतपेटियों के पहुंचने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखवाने की प्रक्रिया पर रिटर्निंग अफसर एवं मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह तथा सहायक रिटर्निंग अफसर एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा लगातार नजर बनाए रहे।

वाणिज्य संकाय में मतपेटियों की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से की जा रही है। हालांकि, स्क्रीन का आकार छोटा होने के कारण प्रत्याशियों ने इस पर आपत्ति जताई और निगरानी के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाने की मांग की। प्रत्याशियों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए रिटर्निंग अफसर एवं मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह तथा सहायक रिटर्निंग अफसर एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने एआरओ एवं एडीएम वित्त को बड़ी एलईडी स्क्रीन लगवाने का निर्देश दिया। इसके बाद बड़ी एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था कराने की कार्रवाई की गई, ताकि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परिसर में रखी मतपेटियों की निगरानी स्पष्ट रूप से की जा सके और प्रत्याशियों को भी निगरानी व्यवस्था देखने में सुविधा हो।

जौनपुर में एक मकान से पांच कुंतल अवैध पटाखे बरामद

जौनपुर।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला बाजार भुआ स्थित एक रिहायशी मकान से पांच कुंतल अवैध आतिशबाजी के पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मामले में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में शुक्रवार देर रात जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अनन्त चन्द्रशेखर तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी के निर्देशन और पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस टीम ने छापेमारी की।



इस दौरान बाजार भुआ मोहल्ले में एक रिहायशी मकान से पांच कुंतल अवैध आतिशबाजी के पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने मौके से ऐसन रजा पुत्र मुनीर हसन, निवासी बाजार भुआ, थाना कोतवाली, जौनपुर को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर कोतवाली थाने में मुकदमा अपराध संख्या 264/2026 के तहत विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4/5 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

2017 के फार्मूले पर चुनावी रणनीति की बुनियाद, शाह करेंगे गिले-शिकवे दूर करने की कोशिश; पीएम भी आएंगे

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शिकरत करने के बहाने गृहमंत्री अमित शाह नब्ज टटोलेंगे। 2017 की तर्ज पर चुनावी रणनीति की बुनियाद तैयार होगी।

इस महीने के अंतिम सप्ताह में पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन समेत कई नेताओं का यूपी दौरा होगा।

गृह मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश के अहम चुनावी समर में पूरी ताकत से उतरने से पहले प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शिकरत करने के बहाने सूबे की सियासी नब्ज टटोलेंगे। आगामी 30 और 31 अक्टूबर को शाह पार्टी पदाधिकारियों और शीर्ष नेताओं के साथ बैठक कर पहले हालात का जायजा लेंगे।

इसके बाद नवंबर में सहयोगी दलों के नेताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र के संयोजकों और कार्यकताओं से सीधे संवाद के जरिये जमीनी चुनौतियों-कठिनाईयों से रूबरू होंगे। उनकी



योजना जीत की हैट्रिक लगाने के लिए दो तिहाई बहुमत दिलाने वाले 2017 के फामूर्ले को जमीन पर उतारने की है। दरअसल पश्चिम बंगाल के बाद पंजाब के मोर्चे पर जुटे शाह अब तक उत्तर प्रदेश में सक्रिय नहीं हो पाए थे। पंजाब में अब शिरोमणि अकाली दल से पार्टी का गठबंधन तय है। इसके अलावा तय रणनीति के मुताबिक नशे के खिलाफ पूरे राज्य में यात्रा जारी है, ऐसे में शाह अब सियासी दृष्टि से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से मोर्चा संभालने के लिए तैयार हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इस क्रम में अपने पहले दो दिवसीय दौरे में शाह की योजना पार्टी पदाधिकारियों से फीडबैक हासिल कर प्रदेश का सियासी नब्ज टटोलने की होगी।

नवंबर में बढ़ेगी सक्रियता

नवंबर महीने में गृह मंत्री प्रमुख कार्यकताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र के संयोजकों से मुलाकात करेंगे। इसी क्रम में उनकी सहयोगी दलों के नेताओं से भी बातचीत होगी। कई चरण में होने वाली इन मुलाकातों का मकसद पार्टी की मजबूती और कमजोरियों का आकलन करना होगा।

सूत्र ने बताया कि 2017 में शाह ने नए सहयोगी दलों के साधने के साथ गैरजाटव दलित और गैरयादव ओबीसी को साधने के लिए विशेष रणनीति तैयार करने के साथ कार्यकताओं की नाराजगी दूर करने की सीधी मुहिम चलाई थी। इस बार भी उनकी योजना जमीनी वस्तुस्थिति से पूरी तरह परिचित होने के बाद रणनीति बनाने की है।

गिले-शिकवे दूर करने की होगी कोशिश

इस क्रम में शाह सहयोगियों की नहीं बल्कि प्रमुख कार्यकताओं और नेताओं के गिले शिकवे भी दूर करेंगे। 2017 में शाह ने इसी रास्ते को अपना कर सभी प्रमुख कार्यकताओं से सीधा संवाद कर उनकी नाराजगी दूर की थी।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

लखनऊ।

योगी सरकार प्रदेश में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरतों के अनुरूप शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से डिस्लेक्सिया एवं अटेंशन डेफिसिट एंड हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) से प्रभावित बच्चों की पहचान, आकलन और प्रभावी शिक्षण तकनीकों के जरिए उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से 22 एवं 23 अक्टूबर को दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए विशेष शिक्षकों के साथ प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े करीब 100 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

प्रभावी शिक्षण तकनीकों पर शिक्षकों को प्रशिक्षण

प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को डिस्लेक्सिया एवं अन्य विशिष्ट अधिगम दिव्यांगताओं के प्रति जागरूक करना, बच्चों में इनकी समयबद्ध पहचान और प्रभावी शिक्षण तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना था। उपनिदेशक एवं कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ. अमित कुमार राय ने प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं महत्त्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने दिव्यांगताओं की पहचान, प्रमाण-पत्र प्रक्रिया, आकलन उपकरणों, बहुसंवेदी शिक्षण पद्धतियों, कक्षा प्रबंधन और बच्चों के सामाजिक-भावनात्मक विकास की जानकारी दी।

शिक्षकों, अभिभावकों और विशेषज्ञों के समन्वय पर जोर

शिक्षकों, अभिभावकों एवं विशेषज्ञों के समन्वय से अनुकूल शिक्षण वातावरण तैयार करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में स्कूल एजुकेशन चेंजिंग फाउंडेशन, समग्र शिक्षा, एससीईआरटी, अध्यापक प्रशिक्षण केंद्र, समृद्धि एवं लर्निंग फाउंडेशन तथा बचपन डे केयर सेंटर के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञों ने बताया कि डिस्लेक्सिया में पढ़ने और शब्दों की पहचान, डिस्ग्राफिया में लिखने तथा डिस्कैल्कुलिया में गणितीय अवधारणाओं को समझने में कठिनाई हो सकती है।

बच्चों की जरूरत के अनुरूप शिक्षण पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान सीखने में कठिनाई को बुद्धि की कमी न मानते हुए बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि बच्चों की सीखने संबंधी कठिनाइयों की समयबद्ध पहचान, विशेषज्ञों से परामर्श, अनुकूल शिक्षण पद्धतियों और अभिभावकों के साथ समन्वय से उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है।

शब्दों के जरिए समाज तक पहुंचते हैं विचार और ज्ञान : वैदेही वल्लभ शरण

प्रान्त प्रचारक ने किया पुस्तक'अर्णव' का लोकार्पण

लखनऊ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रान्त के प्रान्त प्रचारक कौशल ने शुक्रवार को भागीदारी भवन के सभागार में वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र भदौरिया की पुस्तक 'अर्णव' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेन्द्र सिंह, बावन मंदिर अयोध्या के महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज, जगद्गुरू ओम प्रपन्नाचार्य व पदमश्री सुधा सिंह उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रांत प्रचारक कौशल ने कहा कि सामान्य गांव से निकलकर संघर्ष के बाद नरेंद्र भदौरिया ने संघ, पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में पहचान बनाई। उन्होंने संघ में शाखा स्वयंसेवक से लेकर प्रांतीय संगठन मंत्री तक



जिम्मेदारियां निभाईं। पत्रकारिता के बाद शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा। आज उनके संस्थानों में 14 हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ रहे हैं।

बावन मंदिर अयोध्या के महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज ने कहा कि शब्द ही ब्रह्म है। शब्दों के जरिए विचार और ज्ञान समाज तक पहुंचते हैं। अर्णव ज्ञान, भक्ति और आध्यात्मिक चिंतन का संकलन है। उन्होंने कहा कि भदौरिया की लेखनी समाज को दिशा दे रही है और आगे उन्हें 101 पुस्तकें लिखनी चाहिए।

लेखक और पत्रकार का सम्मान जरूरी

मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्या गिरि ने कहा कि समाज में लेखक और पत्रकार का सम्मान जरूरी है। इनके सम्मान के बिना समाज अपनी दिशा भूल सकता है। उन्होंने कहा कि ह्यअर्णवह्न का अर्थ समुद्र है। पुस्तक में अलग-अलग विषयों का विस्तृत विवेचन है। लोगों को पुस्तक खरीदकर खुद पढ़ने और बच्चों को पढ़ाने की जरूरत है।

दो दशक से अधिक की सेवा के बाद ड्यूटी के बाहर हुई घटना पर कोर्ट कर्मचारी को बर्खास्त करना हैरान करने वाली घटना : हाईकोर्ट

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि दो दशक से अधिक समय तक सेवा देने वाले और जिसका पहले कोई प्रतिकूल सेवा रिकॉर्ड नहीं रहा हो, ऐसे कोर्ट कर्मचारी को काम के घंटों के बाहर हुई घटना के आधार पर बर्खास्त करना हैरान करने वाली घटना है। कोर्ट ने कहा कि यह असंगत और अत्यधिक कठोर सजा है। अदालत ने कदाचार से जुड़े निष्कर्षों को बरकरार रखते हुए बर्खास्तगी की सजा रद्द की।

जस्टिस गरिमा प्रसाद ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारी



(दंड एवं अपील) नियम 1976 के नियम 7(4) के तहत अपीलीय प्राधिकारी के लिए सजा की मात्रा पर स्वतंत्र रूप से विचार करना अनिवार्य है। केवल यह कह देना कि कदाचार गंभीर था इस कानूनी आवश्यकता को पूरा नहीं करता। विरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव बनाम जिला जज उन्नाव की याचिका पर हाईकोर्ट ने यह आदेश पारित किया है।

अदालत ने कहा, हर कोर्ट कर्मचारी से अनुशासन और संयम की अपेक्षा की जाती है और साबित हुए आचरण के लिए सजा दिया जाना उचित था। हालांकि बर्खास्तगी के कारण याचिकाकर्ता की दो दशक से अधिक की सेवा और पेंशन संबंधी सुरक्षा समाप्त हो गई। इन तथ्यों में बर्खास्तगी साबित हुए कदाचार की तुलना में अनुचित रूप से कठोर और हैरान करने वाली हद तक असंगत है।

याचिकाकर्ता ने 1977 में चतुर्थ श्रेणी के पद पर सेवा शुरू की थी। पदोन्नति के बाद वह उन्नाव जिले के पुरवा स्थित सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालत में डिप्टी नाजिर के रूप में कार्यरत था।

उसके खिलाफ 1997 में चार आरोपपत्र जारी किए गए। ये आरोप 23 नवंबर 1994 को रात करीब नौ बजे पुरवा में तत्कालीन मुंसिफ मजिस्ट्रेट के आवास के पास हुई एक घटना से संबंधित थे।

आरोप था कि उसने एक होमगार्ड के साथ दुर्व्यवहार किया नशे की हालत में न्यायिक अधिकारी के आवास पर पहुंचकर उनके साथ गाली-गलौज की और गश्त कर रही पुलिस ने उसे पकड़कर पुलिस अधिनियम की धारा 34 के तहत रातभर हिरासत में रखा।

सरकारी नीति के तहत 02 साल में रिटायर होने वाले कर्मचारी का नहीं होगा तबादला, गृह जिले के पास होगी पोस्टिंग

बलिया से सोनभद्र तबादले पर उच्च न्यायालय ने लगाई रोक

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ट्रांसफर पॉलिसी का हवाला देते हुए 02 साल में रिटायर होने वाले कर्मचारी के बलिया से सोनभद्र तबादले पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने भूपेंद्र सिंह की याचिका पर यह आदेश दिया।

याची भूपेन्द्र सिंह का तबादला 31.मई.2026 और 05.जून 2026 के आदेश से जिला बलिया से सोनभद्र कर दिया गया था। इसी को चुनौती दी गई।

दलील दी गई कि याची दो साल के भीतर रिटायर होने वाला है। ट्रांसफर पॉलिसी में प्रावधान है कि जो कर्मचारी दो साल में रिटायर होने वाला है, उसे उसके होम डिस्ट्रिक्ट के नजदीक या उसकी पसंद की जगह पर पोस्ट किया जाएगा। इसलिए तबादला आदेश पर रोक लगाई जाए।

सरकारी वकील ने कहा ट्रांसफर पॉलिसी केवल गाइडलाइन है, इसे किसी भी पक्ष द्वारा लागू नहीं कराया जा सकता।

कोर्ट ने कहा - मामले में विचार की आवश्यकता है और चार हफ्ते में जवाब मांगा।

विवेचना में लापरवाही, एसपी बलिया को जांच कर विवेचक के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आपराधिक मामले की विवेचना में अधिकारी की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बलिया के पुलिस अधीक्षक को मामले की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति समीर जैन ने प्रिंस कुमार की जमानत अर्जी पर यह आदेश दिया। शिकायतकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि विवेचना के दौरान जांच अधिकारी ने घटना की फुटेज तो हासिल की, लेकिन उसका सार केस डायरी में दर्ज नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो से स्पष्ट है कि मृतक ने मरने से पहले आवेदक और अन्य आरोपियों के नाम बताए थे, मगर उसके वीडियो बयान, जो मृत्युकालिक कथन की श्रेणी में आता है, का ब्योरा भी केस डायरी में नहीं लिखा गया।

उच्च न्यायालय ने माना कि जांच अधिकारी ने विवेचना सही ढंग से नहीं की। अदालत ने निर्देश दिया कि बलिया के एसपी मामले में जांच करें और दोषी पाए जाने पर जांच अधिकारी के विरुद्ध उचित कार्रवाई करें और अगली तारीख पर व्यक्तिगत शपथ पत्र दाखिल कर यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो। यह भी बताएं कि जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हुई या नहीं, और यदि नहीं हुई तो क्यों नहीं। अर्जी की अगली सुनवाई 19 नवंबर 2026 को होगी।

33 चित्रकारों की कलाकृतियों सहित रामायण प्रसंगों पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ

झांसी।

मणिकर्णिका आर्ट गैलरी द्वारा राजकीय संग्रहालय में आयोजित रामायण के प्रसंगों पर आधारित राष्ट्रीय सामूहिक चित्रकला प्रदर्शनी का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में देशभर के 33 चित्रकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं।

मुख्य अतिथि संस्कार भारती के प्रदेश महामंत्री नरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन और रामायण के प्रसंगों को आकर्षक एवं भावपूर्ण ढंग से चित्रित किया है। ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति के संरक्षण के साथ कलाकारों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं।

राजकीय संग्रहालय के उप निदेशक डॉ. मनोज कुमार गौतम ने कहा कि मणिकर्णिका आर्ट गैलरी लंबे समय से चित्रकारों को मंच देने का कार्य कर रही है। विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों को एक मंच पर लाना सराहनीय प्रयास है।

पट्टे को 34 साल बाद चुनौती, याचिका खारिज

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ग्राम सभा की जमीन के 1988 में हुए पट्टे को 2022 में चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यूपी राजस्व संहिता 2006 की धारा 128(1-ए) में साफ लिखा है कि आवंटन की तारीख से पांच साल के भीतर शिकायत करनी होगी। याची ने 34 साल बाद शिकायत की है, जो मियाद से बाहर है। साथ ही याची यह भी नहीं बता सका कि वह किस हैसियत से जमीन पर काबिज है, जबकि पक्षकार आपस में सगे संबंधी हैं।

साक्ष्यों की प्रकृति नहीं बदलता एआई, जांच का विश्लेषण होता है तेज

लखनऊ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फॉरेंसिक विज्ञान और आपराधिक जांच में साक्ष्यों के विश्लेषण की गति और क्षमता बढ़ा सकता है लेकिन इससे साक्ष्यों की प्रकृति और उनकी कानूनी स्वीकार्यता के मानक नहीं बदलते। एआई सूचनाओं को व्यवस्थित करने, अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त डेटा की तुलना करने और उनमें छिपे पैटर्न व संबंधों की पहचान करने में मददगार है। हालांकि, किसी भी निष्कर्ष को विश्वसनीय मानने से पहले मूल साक्ष्यों की प्रामाणिकता, अखंडता और विश्वसनीयता की जांच जरूरी है। विशेषज्ञों ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में आयोजित तीन



दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संवाद-26 के ह्यटेकसंगमह्न सत्र में यह बात कही। पैनल चर्चा में जोर दिया गया कि एआई जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बना सकता है, लेकिन अंतिम निष्कर्षों के लिए मानवीय विवेक, प्रशिक्षित विशेषज्ञों की भूमिका और कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य है।

साक्ष्यों की प्रकृति नहीं बदलता एआई, विश्लेषण की प्रक्रिया होती है तेज

पैनल चर्चा में विभिन्न मॉडरेटर ने स्पष्ट किया कि एआई साक्ष्यों की मूल प्रकृति को नहीं बदलता, बल्कि उन्हें एकत्र करने, व्यवस्थित करने, संसाधित करने और उनका विश्लेषण करने की प्रक्रिया को अधिक तेज और प्रभावी बनाता है। विभिन्न स्रोतों से मिली सूचनाओं को एकीकृत प्रणाली या डैशबोर्ड पर प्रस्तुत कर जांचकताओं को महत्वपूर्ण तथ्यों को समझने में मदद मिल सकती है। इसके माध्यम से ऐसी समानताओं और संबंधों की पहचान भी की जा सकती है, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से तलाशने में अधिक समय लग सकता है। एआई डिजिटल और भौतिक साक्ष्यों के विश्लेषण में सहायता करने के साथ अलग-अलग मामलों या स्थानों से जुड़े साक्ष्यों की तुलना करने में भी उपयोगी हो सकता है। हालांकि, अदालत में किसी साक्ष्य का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होता कि उसकी पहचान या जांच के लिए किस तकनीक का इस्तेमाल किया गया। साक्ष्य की प्रामाणिकता, विश्वसनीयता, प्रासंगिकता और कानूनी स्वीकार्यता के साथ जांच की पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता महत्वपूर्ण होती है।

फिंगरप्रिंट से डीएनए तक, कई स्तरों पर उपयोगी है एआई

फॉरेंसिक विज्ञान में एआई का इस्तेमाल साक्ष्य संग्रह और दस्तावेजीकरण से लेकर डिजिटल उपकरणों की जांच तक विभिन्न स्तरों पर किया जा सकता है।

एआई के दौर में रोजगार के लिए नई तकनीक और कौशल जरूरी : डॉ. विपिन खुराना

झांसी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच रोजगार के बदलते स्वरूप के अनुरूप नई तकनीक और कौशल विकसित करना जरूरी है। विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान देने के बजाय वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। यह बात बेंगलुरु से आए विशेषज्ञ डॉ. विपिन खुराना ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम में कही।

विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी एवं



आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 48 शिक्षक और 161 विद्यार्थी समेत 209 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शिक्षकों के सत्र में डॉ. खुराना ने केस स्टडी आधारित शिक्षण की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि वास्तविक जीवन की घटनाओं और व्यावहारिक समस्याओं के माध्यम से विद्यार्थियों में विश्लेषण, तार्किक सोच और निर्णय क्षमता विकसित की जा सकती है।

आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सुनील के. कबिया ने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नवीन शिक्षण पद्धतियों और शिक्षकों का निरंतर व्यावसायिक विकास जरूरी है।

डॉ. शंभू नाथ सिंह ने केस स्टडी को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

हरदोई कचहरी में अधिवक्ताओं के झगड़े में कार्रवाई न होने पर पीड़ित में दहशत

हरदोई।

उत्तर प्रदेश में जनपद हरदोई कोतवाली में 14 अक्टूबर को कचहरी परिसर में दो अधिवक्ताओं के बीच हुए झगड़े के मामले में पुलिस की ओर से कोई कठोर कार्रवाई न होने पर पीड़ित दहशत में है। उसने पुलिस के तमाम आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक उसे कोई मदद नहीं मिली। अब उसे अपने साथ-साथ परिवार की भी सुरक्षा का डर सताने लगा है।

टड़ियावां थानाक्षेत्र के बहोरवा निवासी अधिवक्ता राघवेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि उसने आरोपित सत्येंद्र मिश्रा, अनिल मिश्रा,



प्रशांत मिश्रा और पवन त्रिवेदी के खिलाफ शहर कोतवाली में तहरीर दी है। लेकिन तहरीर के आधार पर धाराएं नहीं लगाई गईं हैं, जबकि उसके पास और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो साक्ष्य के तौर पर मौजूद हैं जिसमें साफ-साफ आरोपित सतेंद्र मिश्र जंजीर से गला दबाते हुए मार डालने की नियत से पीड़ित की गर्दन पर चढ़ा हुआ है।

गंगा को स्वच्छ रखने में मछलियों की अहम भूमिका

प्रयागराज।

गंगा की मत्स्य संपदा के संरक्षण और नदी को स्वच्छ बनाए रखने में मछलियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मछुआ समुदाय को मछलियों से आजीविका मिलती है, इसलिए उनका संरक्षण करना भी समाज की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से शुक्रवार को राज्य पोषित योजना के तहत गंगा नदी में एक लाख मत्स्य बीज छोड़े गए। इस अवसर पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के साथ जन-जागरूकता गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य प्राधिकरण प्रयागराज सुनील कुमार पाल ने मछुआ समुदाय के लोगों को



केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने अपील की कि पात्र लोग योजनाओं का लाभ लेने के लिए मत्स्य विभाग के कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि निषाद समाज की महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के तहत 40 से 60 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति तथा स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

मछलियों का संरक्षण और गंगा की स्वच्छता जरूरी

निषाद पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार निषाद ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के मंत्री बनने के बाद से मछुआ समुदाय के हित में लगातार काम किए जा रहे हैं। मत्स्य विभाग के माध्यम से कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ निषाद, मांझी, मल्लाह, केवट, बिंद सहित मछुआ समुदाय की 17 उपजातियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। सुनील कुमार निषाद ने कहा कि जब गंगा से मछलियों के माध्यम से आजीविका मिलती है, तो नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखना भी सबकी जिम्मेदारी है। मछलियां गंगा की पारिस्थितिकी और स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इसलिए मत्स्य संपदा का संरक्षण करना जरूरी है। इसी दिशा में गंगा में एक लाख मत्स्य बीज छोड़े गए। उन्होंने कहा कि मछली मछुआ समुदाय की आजीविका का प्रमुख आधार है, इसलिए इसकी रक्षा और संवर्धन के लिए सभी को आगे आना चाहिए।

मत्स्य किसानों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील

इस अवसर पर बारा विधायक डॉ. वाचस्पति के प्रतिनिधि विजय कुमार निषाद ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने मत्स्य किसानों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम में मत्स्य विकास अधिकारी मनोज कुमार सहित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। गोष्ठी के बाद अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और उपस्थित लोगों ने गंगा नदी में एक लाख मत्स्य बीज छोड़े।



जैकी श्रॉफ के बड़े भाई को लोग मानते थे असली 'दादा', सुनाया किस्सा

हाल ही में अपने लोकप्रिय नाम 'जग्गू दादा' के पीछे की भावुक कहानी बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने साझा की थी। बॉलीवुड अभिनेता ने बताया कि जिस चॉल में उनका बचपन बीता, वहां उनके बड़े भाई को लोग असली 'दादा' मानते थे। उनके भाई जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे, उनके लिए हर समय खडे रहते थे।

भाई के इसी स्वभाव ने जैकी श्रॉफ को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर उन्होंने भी उनकी तरह लोगों की मदद करने का रास्ता चुना। एक लोकप्रिय चैट शो में बातचीत के दौरान जैकी ने अपने बचपन की एक दर्दनाक घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश करते समय उनके बड़े भाई समुद्र में डूब गए थे। उनके भाई को तैरना नहीं आता था। जैकी उस समय महज 10 साल के थे और घटना के दौरान बेहद डरे हुए थे। उन्होंने भाई को बचाने के लिए एक रस्सी या केबल फेंकी। भाई ने उसे पकड़ भी लिया, लेकिन वह उनके हाथ से फिसल गई और वे समुद्र में डूब गए। जैकी ने बताया कि अपने भाई को आंखों के सामने डूबते देखना उनके जीवन का सबसे भयावह अनुभव था। उन्होंने कहा कि वह उस समय इतने छोटे और डरे हुए थे कि समुद्र में कूदने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें लगता था कि ऐसा करने पर वह खुद भी डूब सकते थे। अपने भाई को खोने का दर्द उनके साथ लंबे समय तक रहा, क्योंकि भाई उनके लिए केवल परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि रक्षक और प्रेरणा भी थे। अभिनेता के मुताबिक, उनके बड़े भाई की निस्वार्थ भावना ने उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।

इसी वजह से उन्होंने अपने भाई के आदर्शों को अपनाया और लोगों के बीच 'जग्गू दादा' के नाम से पहचान बनाई। बताया जाता है कि कई साल बीत जाने के बाद भी जैकी उस चॉल में जाते हैं, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। जैकी श्रॉफ का फिल्मी सफर भी काफी लंबा और विविधतापूर्ण रहा है। उन्होंने वर्ष 1982 में देव आनंद की फिल्म 'स्वामी दादा' में छोटी भूमिका से शुरुआत की थी। इसके बाद 1983 में सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' से बतौर मुख्य अभिनेता पहचान हासिल की। आगे चलकर उन्होंने 'अंदर बाहर', 'कर्मा', 'राम लखन', 'त्रिदेव', 'परिंदा', 'सौदागर', 'खलनायक', 'रंगीला', 'बॉर्डर', 'देवदास', 'धूम 3', 'भारत' और 'सूर्यवंशी' जैसी कई फिल्मों में काम किया।

सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज पर्याप्त नहीं: हिमेश रेशमिया

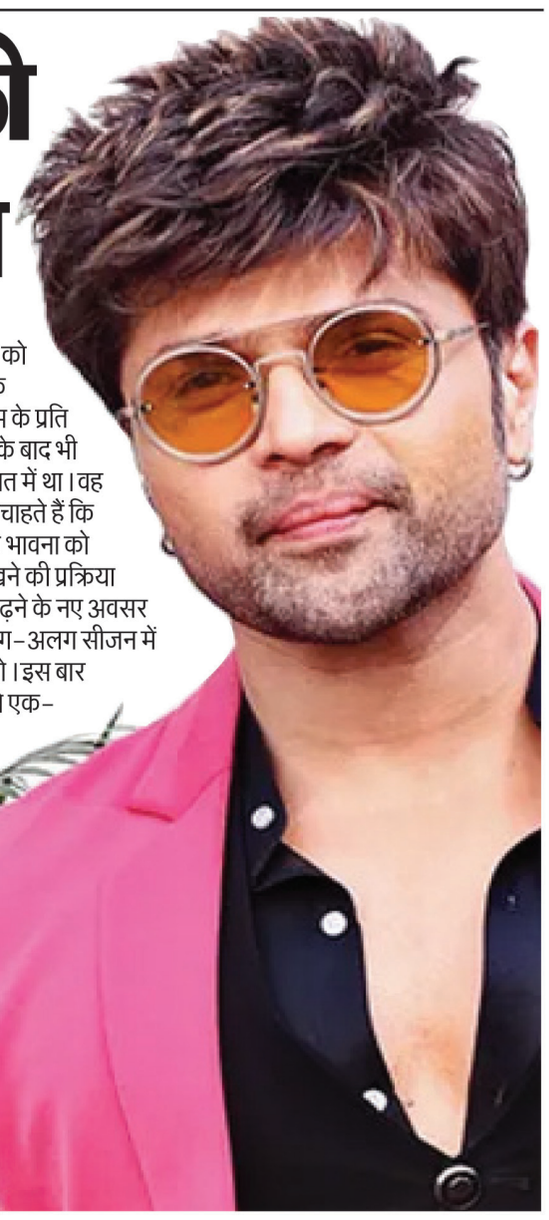

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया का मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलने, नए प्रयोग करने और अपनी कला को लगातार निखारने की जरूरत होती है। हिमेश रेशमिया आजकल सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में सुपरस्टार जज के रूप में चर्चा में हैं। उनका कहना है कि किसी प्रतियोगी का मूल्यांकन करते समय केवल उसकी गायकी की तकनीक पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि उसकी अपनी पहचान कितनी मजबूत है, उसमें आगे बढ़ने का कितना जुनून है और वह अपनी प्रतिभा के दम पर दर्शकों से किस तरह जुड़ पाता है।

हिमेश रेशमिया ने कहा कि जज की भूमिका सिर्फ अच्छी आवाज पहचानने तक सीमित नहीं होती, बल्कि कलाकार की क्षमता, आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के साहस को समझना भी जरूरी है। हिमेश ने अपने संगीत सफर का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने खुद महसूस किया है कि सफलता के साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। ऐसे में कलाकार को अपनी पुरानी उपलब्धियों पर निर्भर रहने के बजाय लगातार कुछ नया सीखने और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। उनके मुताबिक, खुद को बदलने का अर्थ केवल अपनी छवि में बदलाव करना नहीं है, बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देना, नए प्रयोग करना और अपने काम के प्रति जुनून बनाए रखना है। गायक ने बताया कि हजारों हिट गाने देने के बाद भी संगीत के प्रति उनका उत्साह वैसा ही है, जैसा करियर की शुरुआत में था। वह हर नए संगीत प्रोजेक्ट को नई संभावनाओं के साथ देखते हैं और चाहते हैं कि शो में भाग लेने वाले कलाकार भी इसी उत्सुकता और सीखने की भावना को बनाए रखें। उनका मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अनुभव और सफलता के बावजूद आगे बढ़ने के नए अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। 'इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न' में अलग-अलग सीजन में अपनी पहचान बना चुके गायक एक बार फिर मंच पर नजर आएंगे। इस बार शो में 12 जोड़ियां हिस्सा लेंगी, जो अपनी गायकी और प्रस्तुति से एक-दूसरे को चुनौती देंगी।

बॉलीवुड डेब्यू सपना सच होने जैसा ईशा मालवीय

बॉलीवुड में कदम रखने जा रही अभिनेत्री ईशा मालवीय का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड फिल्म में काम करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बड़े पर्दे पर नई पारी शुरू करने को लेकर ईशा बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, पहली फिल्म होने के कारण उनके मन में घबराहट भी है, लेकिन इस नए सफर की खुशी उनके डर पर भारी है। मीडिया से ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कई बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पहली फिल्म होने की वजह से वह नर्वस हैं और मन में डर भी है, लेकिन उनकी खुशी इससे कहीं ज्यादा है।

एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, संघर्ष और माता-पिता के योगदान को भी दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं। अब तक उन्होंने जो मेहनत की और जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया, उसका परिणाम सामने आ रहा है। इस सफर में उनके माता-पिता ने भी कई परेशानियां झेली हैं। ऐसे में बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए बेहद भावुक और खुशी का पल है। ईशा ने बताया कि कई बार उन्हें अब भी यकीन नहीं होता कि वह वास्तव में किसी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे वह कोई सपना देख रही हों। हालांकि, जब वह फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि उनका सपना हकीकत बन रहा है। उन्होंने इस अनुभव को खास बताते हुए कहा कि वह अपने करियर के इस नए अध्याय को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' की कहानी के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सरल और खूबसूरत प्रेम कहानी देखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, आजकल फिल्मों में हिंसा और खून-खराबे की अधिकता को लेकर दर्शक सवाल उठाते हैं। ऐसे में एक सीधी-सादी प्रेम कहानी की जरूरत महसूस होती है। इसी सोच के साथ फिल्म दर्शकों के सामने लाई जा रही है। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो' एक म्यूजिकल फिल्म है। इसमें ईशा मालवीय के साथ अभिनेता गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।



फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना रोमांचक: कश्मीरा शाह

स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में अभिनेत्री और फिल्ममेकर कश्मीरा शाह ने अपने दूसरे निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म की शूटिंग ग्रीस में की जा रही है। सोशल मीडिया पर शूटिंग से जुड़ी कुछ झलकियां साझा करते हुए कश्मीरा ने अपने नए सफर को लेकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि ग्रीस में फिल्म की शूटिंग करना केवल लोकेशन का चुनाव नहीं है, बल्कि यह जगह उनकी कहानी का एक महत्वपूर्ण किरदार भी है। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना उनके लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा कि अपने सपने को साकार होते देखना गर्व की बात है। अभिनेत्री ने अपने संदेश में लोगों को सपनों पर विश्वास करने और उन्हें पूरा करने के लिए अपने सहज दायरे से बाहर निकलने की प्रेरणा भी दी। उनके मुताबिक, जब इंसान अपने लक्ष्य पर भरोसा रखता है और उन्हें पूरा करने के लिए साहस दिखाता है, तो आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलते हैं। कश्मीरा ने अपनी पोस्ट में फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों के लिए पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने ग्रीस को फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अपनी शर्तों पर कहानियां कहने के अवसर को खास मानती हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म की कहानी, कलाकारों और रिलीज से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। कश्मीरा शाह निजी जिंदगी और पेशेवर कामों को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपने लंबे समय के साथी और अभिनेता-कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से वर्ष 2013 में शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात श्याम सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों का रिश्ता आगे बढ़ा और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

हाल ही में कश्मीरा और कृष्णा मनोरंजन आधारित कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के तीसरे सीजन में नजर आए हैं। इस कार्यक्रम में अली गोनी, जन्नत जुबैर, एल्विश यादव, ईशा मालवीय, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, गुरमीत चौधरी, देबिना बनर्जी, विवियन डीसेना और ईशा सिंह जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शो की मेजबानी भारती सिंह करती हैं, जबकि शेफ हरपाल सिंह सोखी निर्णायक की भूमिका निभाते हैं। कश्मीरा हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह 'बिग बॉस' के पहले सीजन, 'नच बलिए 3' और 'खतरों के खिलाड़ी 4' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' से उन्हें खास पहचान मिली थी। अब निर्देशन के क्षेत्र में अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी रचनात्मक पहचान को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

टाइगर पर हमले, सलमान की बढ़ी सुरक्षा

रविवार शाम जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के घर के बाहर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मी और पुलिस की गाड़ियां देखी गईं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे, जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे, तब अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी। अभिनेता तो गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने पुष्टि की कि जब अभिनेता क्लब परिसर से निकल रहे थे, तब उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान गुजरात तक बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने टाइगर की गतिविधियों पर नज़र रखी थी और उन्हें पता था कि वह हर रविवार फुटबॉल ग्राउंड जाते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी और अभिनेता के रूटीन को अच्छी तरह समझ लिया था।



बॉक्स ऑफिस पर जेलर 2 का तूफान

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर 2 ने रिलीज के दो दिनों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 210.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जिन्होंने 2023 में रिलीज हुई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सन पिक्चर्स बैनर तले कलानिधि ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 125.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 85.4 करोड़ रुपये की कमाई की। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 113.65 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जेलर फिल्म रजनीकांत के किरदार, रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी वर्दी उतारने के बाद अपने परिवार के साथ एक शांत जीवन बिता रहे होते हैं।





जेमी लीवर ने कॉमेडी के लिए छोड़ी नौकरी, बनाई पहचान



कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर अपनी शानदार मिमिक्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद जेमी ने अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत का रास्ता चुना। कॉमेडी को करियर बनाने से पहले जेमी लीवर ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में नौकरी की, लेकिन मंच पर लोगों को हंसाने के जुनून ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया की ओर खींच लिया। हाल ही में जेमी लीवर ने 19 अक्टूबर अपना जन्मदिन मनाया। उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां कॉमेडी और मनोरंजन का माहौल था। उनके पिता जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय हास्य कलाकारों में शामिल रहे हैं। इसके बावजूद जेमी ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने पर ध्यान दिया। जेमी ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की और आगे की शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद उन्होंने लंदन की एक मार्केट रिसर्च कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम किया। उस समय उनकी दिनचर्या ऑफिस, मार्केट रिपोर्ट और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच गुजरती थी। हालांकि, उनके मन में मंच पर प्रस्तुति देने और लोगों को हंसाने की इच्छा लगातार बनी रही। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी क्लबों में ओपन माइक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। छोटे मंचों पर दर्शकों के सामने प्रस्तुति देने से उन्हें अनुभव मिला और अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ा। धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कॉमेडी ही वह क्षेत्र है, जिसमें वह अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। इसके बाद उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर भारत लौटने और मनोरंजन जगत में करियर बनाने का फैसला किया। जेमी की सबसे बड़ी ताकत उनकी मिमिक्री है। वह अलग-अलग अभिनेत्रियों और चर्चित हस्तियों की आवाज, बोलने के अंदाज और हाव-भाव को मजेदार तरीके से प्रस्तुत करती हैं। कंगना रनौत, फराह खान और श्रीदेवी जैसी हस्तियों की नकल करने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए। टेलीविजन कार्यक्रम 'कॉमेडी सर्कस के महाबली' में उनकी प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों के बीच पहचान बनाने में मदद की। कॉमेडी के बाद जेमी ने अभिनय में भी हाथ आजमाया। वर्ष 2015 में फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह 'हाउसफुल 4', 'भूत पुलिस', 'क्रैक' और 'यात्रियों' जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2024 में उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी शुरुआत की।

घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

फर्रुखाबाद। थाना अमृतपुर क्षेत्र के ग्राम कोलासोता में घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर हरि सिंह उर्फ मानू समेत चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राप्त पुलिस विवरण के अनुसार, अभियुक्त हरि सिंह उर्फ मानू पुत्र नरेशपाल, निवासी ग्राम कोलासोता, थाना अमृतपुर, जनपद फर्रुखाबाद समेत तीन अन्य लोगों पर आरोप है कि वे वादी के घर में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के दौरान वादी को जान से मारने की धमकी दी गई। इस संबंध में ग्राम कोलासोता निवासी महावीर पुत्र कृष्णपाल ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत के मुताबिक, घटना वादी महावीर के घर से संबंधित है, जहां कथित तौर पर आरोपितों ने प्रवेश कर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

मायके में रह रही अधेड़ महिला की मौत

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलेगा मौत का राज

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



मायके में रह रही 55 वर्षीय महिला की शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला पिछले करीब चार माह से अपने मायके में रह रही थीं और शुगर व ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित थीं। गुरुवार को तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए कायमगंज और फिर लोहिया अस्पताल लेकर गए थे। हालत में कुछ सुधार होने पर परिजन उन्हें घर वापस ले आए थे। शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मृतका के पिता रामदीन ने बताया कि उनकी बेटी शीला की शादी कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के हकीमगंज गांव निवासी ग्रंथ सिंह के साथ हुई थी। करीब एक वर्ष पहले उनके पति ग्रंथ सिंह की मौत हो गई थी। इसके बाद शीला पिछले चार माह से अपने मायके में रह रही थीं। यहां उनका उपचार भी चल रहा था। परिजन उनकी देखभाल कर रहे थे।

रामदीन के मुताबिक, गुरुवार को शीला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए कायमगंज लेकर गए। वहां से उन्हें लोहिया अस्पताल में भी दिखाया गया। उपचार के दौरान ब्लड प्रेशर सामान्य होने पर परिजन उन्हें घर वापस ले आए थे। परिवार को उम्मीद थी कि उनकी हालत में सुधार होगा, लेकिन शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई राहुल ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई।

शीला के परिवार में चार बेटे सुनील, आजाद, अमित और रंजीत तथा दो बेटियां रीनू और प्रियंका हैं। रामदीन ने बताया कि बेटी की तबीयत खराब होने की जानकारी उसके बेटों को दे दी गई थी। सभी बेटे दिल्ली में रहकर गुजर-बसर करते हैं।

हल्का प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है। महिला की मौत से परिवार के लोग सदमे में हैं। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के वास्तविक कारण का पता चल सके।

पांचाल घाट पुल पर भीषण जाम, घंटों फंसे रहे भारी वाहन, यातायात व्यवस्था ध्वस्त

- जाम लगने वाले इलाकों में नहीं नजर आते यातायात प्रभारी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



शनिवार सुबह पांचाल घाट पुल पर भीषण जाम लगने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। पुल पर घंटों तक भारी वाहन फंसे रहे और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम के बीच यातायात व्यवस्था संभालने के लिए न तो यातायात प्रभारी ओमप्रकाश पांडे नजर आए और न ही उनकी टीम दिखाई दी। ऐसे में मौके पर यातायात प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े हो गए।

बताया गया कि पांचाल घाट पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण यहां मरम्मत का कार्य चल रहा है। मरम्मत के दौरान पुल के एक हिस्से पर आवागमन चालू रखते हुए दूसरे हिस्से में काम कराया जा रहा है। ऐसी स्थिति में यातायात को नियंत्रित करना और वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकालना बेहद जरूरी है, लेकिन शनिवार सुबह वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ ही पुल पर जाम की स्थिति गंभीर हो गई। भारी वाहन एक के पीछे एक फंसते चले गए और देखते ही देखते लंबी कतारें लग गईं।

पुल पर जाम लगने के कारण वाहन चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। वहीं, रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। लोगों का कहना है कि क्षतिग्रस्त पुल पर मरम्मत कार्य के दौरान यातायात का दबाव देखते हुए पहले से प्रभावी व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि लोगों को घंटों जाम में न फंसना पड़े।

जाम में फंसे लोगों ने यातायात व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पांचाल घाट पुल पर आए दिन यातायात का दबाव बना रहता है। इसके बावजूद व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम दिखाई नहीं देते। लोगों ने आरोप लगाया कि यातायात व्यवस्था के नाम पर खानापूरी की जा रही है और जिम्मेदार अधिकारी अपनी मनमर्जी से काम कर रहे हैं। शनिवार सुबह यातायात प्रभारी और उनकी टीम के मौके पर दिखाई न देने से लोगों की नाराजगी और बढ़ गई।

पांचाल घाट पुल फर्रुखाबाद के प्रमुख आवागमन मार्गों में शामिल है। ऐसे में पुल की मरम्मत के दौरान यातायात का सही संचालन बेहद महत्वपूर्ण है। शनिवार सुबह लगे भीषण जाम ने यातायात प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए क्या कदम उठाते हैं, ताकि लोगों को रोजाना जाम की परेशानी से राहत मिल सके।

पूर्व आचार्य रमाशंकर मिश्र का निधन, शिक्षा जगत में शोक

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



सरस्वती शिशु मंदिर, सेनापति, फर्रुखाबाद के पूर्व आचार्य एवं विद्यार्थियों के प्रिय गुरुजी श्री रमाशंकर मिश्र का शनिवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से विद्यालय परिवार, पूर्व विद्यार्थियों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई।

श्री रमाशंकर मिश्र ने सरस्वती शिशु मंदिर में आचार्य के रूप में सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों की सीख दी। उनके पढ़ाए विद्यार्थी आज भी उनके मार्गदर्शन और स्नेह को याद करते हैं। उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

गुरुजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके शिष्यों और शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

राजेपुर ब्लॉक में एमएलसी चुनाव में 67.1 प्रतिशत मतदान

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 के तहत शुक्रवार को राजेपुर ब्लॉक में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ब्लॉक परिसर में बनाए गए दो बूथों पर कुल 508 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 341 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह दोनों बूथों पर कुल 67.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चला। पूरे मतदान के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, हालांकि ब्लॉक परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कुछ सवाल भी उठे।

मतदान के लिए राजेपुर ब्लॉक में दो बूथ बनाए गए थे। बूथ संख्या 199 पर कुल 435 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 289 मतदाताओं ने वोट डाले। यहां मतदान प्रतिशत 66.4 रहा। वहीं, बूथ संख्या 120 पर कुल 73 मतदाताओं में से 52 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस बूथ पर 71.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार, बूथ संख्या 120 पर मतदान का प्रतिशत बूथ संख्या 199 के मुकाबले अधिक रहा।

मतदान प्रक्रिया निर्धारित समय पर शुरू हुई और शाम चार बजे तक चली। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान दोनों बूथों पर मतदाताओं ने पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली। हालांकि, मतदान केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौके पर कुछ ऐसी स्थितियां दिखाई दीं, जिन पर सवाल उठाए गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ब्लॉक के मुख्य गेट पर तैनात कुछ पुलिसकर्मी कुर्सियों पर बैठकर मोबाइल चलाते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहीं, ब्लॉक का मुख्य गेट भी खुला हुआ था। इन परिस्थितियों को देखते हुए मतदान केंद्र की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठे। मतदान पेटिकाओं की सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बरते जाने की जरूरत पर चर्चा हुई।

हालांकि, मतदान के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के संबंध में संबंधित अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह स्पष्ट होना बाकी है कि मौके पर सुरक्षा ड्यूटी के लिए क्या निर्देश निर्धारित किए गए थे और उनकी निगरानी किस प्रकार की जा रही थी।

मोहम्मदाबाद में एमएलसी चुनाव के दौरान हंगामा, सपा-भाजपा कार्यकर्ता आमने सामने

- फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर गरमाया माहौल, पूर्व विधायम उर्मिला राजपूत हाईवे पर बैठीं
- शिक्षक में 81 और स्नातक में 76 प्रतिशत मतदान

यूथ इंडिया, मोहम्मदाबाद



कस्बे के ब्लॉक परिसर में शुक्रवार को आगरा खंड शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। मतदान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। दोपहर बाद फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर सपा और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। शाम चार बजे मतदान समाप्त हुआ। शिक्षक वर्ग में 81 प्रतिशत और स्नातक वर्ग में 76 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

सुबह मतदान शुरू होने पर सबसे पहले कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय शर्मा ने वोट डाला। सुबह 8:22 बजे एसडीएम दीपक माथुर और क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कस्बे के मुख्य चौराहे पर खुली दुकानों को बंद कराया।

बूथ के नजदीक भाजपा प्रत्याशी का बस्ता लगा होने पर उसे निर्धारित दूरी पर ले जाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर ने बस्ता बूथ से करीब 200 मीटर दूर लगवाया।

इसी दौरान सपा नेता पंकज यादव ने शिकायत की कि सौरभ यादव का शिक्षक और स्नातक, दोनों मतदाता सूचियों में नाम होने के बावजूद उन्हें केवल एक वोट डालने दिया गया। शिकायत के बाद एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर सौरभ यादव का दूसरा वोट डलवाया। दोपहर तीन बजकर 15 मिनट पर सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल यादव, जिला महासचिव इलियास मंसूरी और सपा नेता अजीत यादव समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के गेट पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी मतदान कराया जा रहा है। सपा नेताओं के मुताबिक, उनके कुछ मतदाता वोट डालने पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके वोट पहले ही डाले जा चुके हैं। उन्होंने सीओ और मजिस्ट्रेट से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि 25 से 30 लोग अंदर घुसकर फर्जी मतदान कर रहे हैं।

शिकायत को लेकर सपा और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। प्रभारी निरीक्षक बलराम मिश्रा ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को अलग-अलग किया। इसी दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता की टिप्पणी से नाराज पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत इटावा-बरेली हाईवे पर बीच सड़क पर बैठ गईं। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, ÷दम है तो मुझे भगाओ।÷ इसके बाद प्रभारी निरीक्षक बलराम मिश्रा ने उन्हें समझाकर सड़क से उठाया और वहां से जाने के लिए कहा। दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने मतदान केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मतदान सेक्टर मजिस्ट्रेट हिम्मत सिंह और राघवेंद्र सिंह तथा सुरक्षा प्रभारी निरीक्षक रणविजय सिंह की निगरानी में कराया गया।

सुरक्षा के लिए नवाबगंज, शमशाबाद, मेरापुर, कायमगंज और जहानगंज थानों की पुलिस के साथ पीएसी, रिजर्व पुलिस बल और अग्निशमन दल तैनात रहा। मतदान केंद्र के बाहर भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर, भाजपा नेता सचिन सिंह यादव और खिमसेपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पुष्पराज सिंह समेत कई नेता व समर्थक मौजूद रहे। शाम चार बजे मतदान समाप्त होने तक शिक्षक वर्ग में 81 प्रतिशत और स्नातक वर्ग में 76 प्रतिशत मतदान हुआ।

सीमा विवाद में 12 घंटे तक उलझी रही पुलिस, रेलिंग तोड़कर रामगंगा में गिरी पिकअप

- इटावा-बरेली हाईवे पर मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



इटावा-बरेली हाईवे पर रामगंगा पुल पर देर रात ओवरटेक करने के दौरान एक पिकअप अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे रामगंगा में जा गिरी। हादसे के बाद घटनास्थल की सीमा को लेकर राजेपुर थाना पुलिस और अल्लाहगंज पुलिस के बीच मामला उलझ गया। आरोप है कि दोनों थाना क्षेत्रों की पुलिस सीमा विवाद का हवाला देती रही, जिसके चलते करीब 12 घंटे तक मामले में कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और आपसी समन्वय पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, पिकअप फर्रुखाबाद से हुल्लापुर की ओर जा रही थी। देर रात जब वाहन रामगंगा पुल पर पहुंचा, तभी चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान पिकअप अनियंत्रित हो गई और पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी। हादसे के बाद इलाके में हलचल मच गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद राजेपुर थाना पुलिस और अल्लाहगंज पुलिस के बीच घटनास्थल किस थाना क्षेत्र में आता है, इसको लेकर विवाद की स्थिति बन गई। आरोप है कि सीमा निर्धारण को लेकर दोनों पक्षों के बीच मामला उलझा रहा और तत्काल कार्रवाई को लेकर स्पष्टता नहीं बन सकी।

स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के मुताबिक, हादसे के करीब 12 घंटे बाद भी पुलिस कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई थी। दुर्घटना के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह था कि घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कौन करेगा और आगे की कार्रवाई किस थाना क्षेत्र की पुलिस के जिम्मे होगी। सीमा विवाद के कारण कार्रवाई में देरी के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया।

इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि दुर्घटना के समय थाना क्षेत्रों की सीमाओं को लेकर विवाद होने पर तत्काल राहत और जांच की जिम्मेदारी कैसे सुनिश्चित की जाती है। आमतौर पर ऐसे मामलों में सबसे पहले मौके की स्थिति का आकलन, संभावित घायलों की तलाश और आवश्यक सुरक्षा उपायों पर ध्यान देना जरूरी होता है। इसके बाद घटनास्थल के अधिकार क्षेत्र का निर्धारण कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

रामगंगा पुल पर हुई इस दुर्घटना में पिकअप के नदी में गिरने के बाद वाहन की स्थिति और चालक के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि भी उपलब्ध विवरण में नहीं है। ऐसे में दुर्घटना से जुड़े इन पहलुओं की पुष्टि संबंधित पुलिस अधिकारियों से होना जरूरी है।

सीमा विवाद के चलते कार्रवाई में कथित देरी को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। घटनास्थल के अधिकार क्षेत्र, दुर्घटना के कारण और पिकअप के चालक की स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

तहसील सदर में हंगामा करने वाले पर केस दर्ज, शराब पीकर की थी सरकारी कर्मचारी से अभद्रता

फर्रुखाबाद। सदर तहसील सदर में सरकारी कार्यालय के भीतर कथित तौर पर हंगामा करने, सरकारी कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में संजय सिंह पुत्र घनश्याम, निवासी बसहा नगला, थाना कमालगंज, जनपद फर्रुखाबाद को अभियुक्त बनाया गया है। प्राप्त पुलिस विवरण के अनुसार, तहसील सदर में हुई इस घटना को लेकर कलेक्ट्रेट फर्रुखाबाद में तैनात कनिष्ठ सहायक रीतूराज की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि संजय सिंह मदिरापान की अवस्था में तहसील परिसर पहुंचे और वहां मौजूद सरकारी कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने पीठासीन अधिकारी की कुर्सी पर भी बैठकर अनुचित व्यवहार किया, जिससे सरकारी कार्यालय की कार्यप्रणाली प्रभावित हुई। शिकायत के मुताबिक, कथित हंगामे के दौरान सरकारी कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि सरकारी अभिलेखों को इधर-उधर फेंका गया और उन्हें क्षति पहुंचाई गई। सरकारी कार्यालय में इस प्रकार की कथित घटना से संबंधित कर्मचारियों के कामकाज और कार्यालयीन व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का आरोप लगाया गया है।

ब्लैकमेलिंग और आत्महत्या के लिए उकसाने पर केस दर्ज

फर्रूखबााद। जनपद कासगंज में एक युवक की आत्महत्या से जुड़े मामले में ब्लैकमेल करने, आत्महत्या के लिए उकसाने और मृतक की मां के साथ गाली-गलौज करने के आरोप में तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस विवरण के अनुसार, इस मामले में वंदना पत्नी बबलू, निवासी ग्राम लालूपुर, थाना गंजडुंडवारा, जनपद कासगंज समेत तीन लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। प्रकरण में न्यायालय के आदेशानुसार मुकदमा पंजीकृत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादिनी ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि अभियुक्तों ने उनके पुत्र को कथित रूप से ब्लैकमेल किया और उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाया। शिकायत में कहा गया है कि इन परिस्थितियों के चलते वादिनी के पुत्र ने आत्महत्या कर ली। इसके अतिरिक्त, वादिनी ने अपने साथ गाली-गलौज किए जाने का आरोप भी लगाया है।

सड़क हादसों पर लगेगा अंकुश, 62 स्थानों पर होंगे सुरक्षा के इंतजाम, पीडब्ल्यूडी खर्च करेगा 2.69 करोड़ रुपये

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

जिले में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) निर्माण खंड की ओर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत प्रमुख जिला मार्गों और अन्य जिला मार्गों पर दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों को चिह्नित कर सुरक्षा संबंधी कार्य कराए जाएंगे। विभाग की ओर से इसके लिए करीब 2.69 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना में चौराहों, तिराहों, मोड़ों, पुलों और आबादी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जहां वाहन चालकों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है।

विभाग की योजना के तहत सड़क पर रंबल स्ट्रिप बनाने, संकेतक बोर्ड लगाने और टेबल टॉप बनाने जैसे कार्य कराए जाएंगे। इन इंतजामों का उद्देश्य वाहन चालकों को आगे आने वाले मोड़, चौराहे या संभावित खतरे के प्रति समय रहते सचेत करना है। इससे वाहन चालकों को गति नियंत्रित करने और सड़क पर सावधानी बरतने में मदद मिलने की उम्मीद है।

फर्रुखाबाद-रोशनाबाद-शमसाबाद मार्ग पर रोशनाबाद तिराहे से लेकर कायमगंज, अमृतपुर और नवाबगंज क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर सुरक्षा संबंधी कार्य प्रस्तावित हैं। इसके अलावा एटा-अलीगंज-कायमगंज, नवाबगंज-अलीगंज और अटैना घाट-कंपिल-कायमगंज-संकिसा मार्ग पर भी दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे।

विभाग की ओर से प्रत्येक स्थान पर होने वाले कार्य के हिसाब से लागत निर्धारित की गई है। अलग-अलग स्थानों पर सुरक्षा कार्यों की अनुमानित लागत अलग रखी गई है। जलालाबाद-शमसाबाद-सौरिख-बिधूना मार्ग पर बांसमई मोड़ के पास सबसे अधिक लागत से कार्य प्रस्तावित है। यहां सड़क सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि वाहन चालकों को मोड़ पर संभावित खतरे का संकेत मिल सके।

पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार ने बताया कि जिले में चिह्नित स्थानों पर सड़क सुरक्षा संबंधी कार्य कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन कार्यों को पूरा करने के लिए दो माह का समय निर्धारित किया गया है।

सड़क हादसों को कम करने के लिए केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि उचित संकेतक, सुरक्षित मोड़, गति नियंत्रित करने के उपाय और वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता भी जरूरी है। खासकर आबादी वाले क्षेत्रों, चौराहों और संकरे मोड़ों पर सावधानी के इंतजाम होने से दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिल सकती है।

पीडब्ल्यूडी की इस योजना से जिले के प्रमुख मार्गों पर आवागमन को सुरक्षित बनाने की उम्मीद है। हालांकि, इन कार्यों का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब निर्धारित समय में निर्माण पूरा होने के साथ संकेतक और अन्य सुरक्षा इंतजामों का उचित रखरखाव भी किया जाएगा।

विदेशी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर महिला से 7.34 लाख की ठगी

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

विदेशी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर महिला से 7.34 लाख की ठगी, वीजा-पासपोर्ट बनवाने के नाम पर डेढ़ माह तक ऐंठते रहे रुपये

फर्रुखाबाद। विदेशी कंपनी में नौकरी दिलाने और परिवार के साथ विदेश में रहने का सपना दिखाकर साइबर ठगों ने एक महिला से करीब 7.34 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने आकर्षक वेतन, मुफ्त रहने और खाने की सुविधा का लालच देकर महिला को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद वीजा और पासपोर्ट बनवाने के नाम पर अलग-अलग खातों में रुपये ट्रांसफर कराए। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के बावजूद साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। मामले में पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की गई है।

शहर के श्यामनगर भोपत पट्टी स्थित सिंह वाहिनी कॉलोनी निवासी कुसुम लता ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि उनके पति निजी नौकरी करते हैं। आठ जुलाई को उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम साहिल बताया और कहा कि उसकी एक बड़ी विदेशी कंपनी है, जिसमें फर्रुखाबाद के कई लोग काम करते हैं। उसने महिला को कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।

आरोपी ने महिला को बताया कि नौकरी में 90 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा। इसके अलावा रहने और खाने की सुविधा भी मुफ्त होगी। उसने परिवार के साथ विदेश आने का प्रस्ताव देते हुए कहा कि वहां किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। हालांकि, नौकरी पर जाने के लिए वीजा और पासपोर्ट बनवाना जरूरी बताया गया।

इसके कुछ समय बाद राहुल नाम के व्यक्ति ने महिला को व्हाट्सएप कॉल की। उसने बताया कि साहिल ने उसका नंबर दिया है और वह वीजा व पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया पूरी कराएगा। नौकरी मिलने की उम्मीद में महिला उसकी बातों पर भरोसा करती रही। आरोप है कि राहुल ने वीजा और पासपोर्ट बनवाने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में करीब डेढ़ माह तक रुपये ट्रांसफर कराए।

महिला के अनुसार, आरोपियों ने बैंक खातों में 6 लाख 13 हजार 600 रुपये जमा कराए। इसके अलावा क्यूआर कोड के माध्यम से भी एक लाख 11 हजार 600 रुपये भेजवाए। इस तरह महिला के साथ कुल करीब 7 लाख 34 हजार रुपये की ठगी हुई।

पीड़िता ने बताया कि आरोपियों को रुपये देने के लिए उसे रिश्तेदारों से उधार लेना पड़ा और अपने जेवर तक बेचने पड़े। विदेशी कंपनी में नौकरी मिलने और परिवार के बेहतर भविष्य की उम्मीद में उसने रकम का इंतजाम किया था, लेकिन रुपये देने के बाद भी नौकरी और विदेश जाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। इसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ।

कुसुम लता के मुताबिक, जिन मोबाइल नंबरों से उन्हें व्हाट्सएप कॉल की गई थी, उनमें भारत के अलावा सऊदी अरब और सीरिया से जुड़े नंबर भी शामिल थे। उन्होंने मामले की शिकायत साइबर थाने में की, लेकिन उनका आरोप है कि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। हालांकि, शिकायत के संबंध में एक बैंक खाते को होल्ड कराने की कार्रवाई की गई। पीड़िता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

मामले में साइबर थाने के इंस्पेक्टर राजेश यादव ने बताया कि उनके पास 6 लाख 13 हजार 600 रुपये की साइबर ठगी के संबंध में कोई शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि कुसुम लता के नाम से एक-दो लाख रुपये की ठगी की शिकायत पर कार्रवाई हुई होगी। उन्होंने संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी।